Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

विश्व परिवार

● अंक : 99 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 01 अक्टूबर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अपने धन विदेश में न रखें, यह भी देश के उत्थान में अपना सहयोग है।

Keeping money is ones own country and not draining it to other countries is also a short of contibution for the upliftment of country.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

अमित शाह ने मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के दिए बयान को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घटिया और शर्मनाक बताया है। अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, कल (29 सितंबर) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने भाषण में अपने नेताओं और अपनी पार्टी से भी ज्यादा घटिया और शर्मनाक बात कही। उन्होंने अपनी कटुता का परिचय देते हुए बेवजह पीएम मोदी को अपने निजी स्वास्थ्य मामले में घसीटा और कहा कि वे पीएम मोदी को सत्ता से हटाकर ही दम लेंगे। शाह ने कहा, इससे पता चलता है कि इन कांग्रेस के लोगों में पीएम मोदी के प्रति कितनी नफरत और डर है कि वे हर समय उनके बारे में सोचते रहते हैं।

हरियाणा चुनाव : कांग्रेस के 10 बागी नेता पार्टी से निष्कासित

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बागी नेताओं पर सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पार्टी ने अंबाला कैंट से बागी उम्मीदवार चित्रा सरवारा समेत कुल 10 नेताओं को कांग्रेस से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। यह कदम कांग्रेस की ओर से चुनाव में अनुशासनहीनता और पार्टी के खिलाफ गतिविधियों को लेकर उठाया गया है। बता दें कि चित्रा सरवारा अंबाला शहर से कांग्रेस उम्मीदवार निर्मल सिंह की बेटी हैं। उन्होंने अंबाला कैंट से कांग्रेस का टिकट मांगा था।

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने छत्तीसगढ़ को दी सौगात

छत्तीसगढ़ में 4 प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों का होगा विकास, 11 हजार करोड़ की मंजूरी

छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय नई दिल्ली में समीक्षा बैठक में हुए शामिल

सड़कों के विकास से छत्तीसगढ़ की औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को मिलेगी नई दिशा : विष्णुदेव साय

केन्द्रीय सड़क निधि से 908 करोड़ के आठ कार्यों को मिली स्वीकृति

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की सड़कों का जाल और मजबूत होने जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने छत्तीसगढ़ के लिए 11 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी देकर राज्य को एक बड़ी सौगात दी है। इस राशि से चार प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास किया जाएगा, जो छत्तीसगढ़ की कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ करेगा। श्री गडकरी ने यह घोषणा नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ हुई एक समीक्षा बैठक के दौरान की।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। बैठक में छत्तीसगढ़ में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। इस दौरान केन्द्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री अजय टाम्टा और हर्ष मल्होत्रा व छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव भी शामिल रहे।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने छत्तीसगढ़ में चल रही परियोजनाओं की प्रगति पर समीक्षा की ताकि कार्यों का समय पर और कुशलता से निष्पादन हो सके। बैठक में परियोजनाओं के विलम्ब के कारणों व रुकावटों पर चर्चा की गयी। इस संबंध में वन विभाग से क्लीयरेंस, राजस्व और खनन से जुड़े अड़चनों को दूर करने व परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा कर अवरोधों को दूर करने का प्रयास किया गया। केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी ने समस्त प्रगतिरत एवं प्रस्तावित परियोजनाओं को समय सीमा में पूर्ण करने का निर्देश दिए।

बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों की प्रगति पर चर्चा की गई, इसके साथ ही चार प्रमुख राजमार्गों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) बनाने की मंजूरी दी गई। बैठक में जिन चार मुख्य परियोजनाओं पर चर्चा हुई, उनमें उरगा-कटघोरा बाईपास (NH-149B), बसना से सारंगढ़ (माणिकपुर) फीडर रूट, सारंगढ़ से रायगढ़ फीडर रूट, और रायपुर-लखनादोन आर्थिक गलियारा शामिल हैं। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 236.1 किलोमीटर है। जिसके लिए केन्द्रीय मंत्री ने कुल 9208 करोड़ स्वीकृत किया है। वहीं, केन्द्रीय सड़क निधि के तहत 908 करोड़ के आठ कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। बैठक में केशकाल घाट व धमतरी-जगदलपुर मार्ग के चार लेन चौड़ीकरण कार्य की भी मंजूरी दी गयी। एनएचएआई के अंतर्गत रायपुर-विशाखापट्टनम मार्ग एवं बिलासपुर-उरगा-पत्थलगांव मार्ग को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं, पत्थलगांव से कुनकुरी-झारखंड बॉर्डर मार्ग को एक माह के अन्दर एजेंसी निर्धारित करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में रायपुर शहर टाटीबंध से तेलीबांधा के बीच ग्रेड सेपरेटर व विधानसभा रोड से बिलासपुर रोड (धनेली) को जोड़ने वाले मार्ग एवं रायपुर एक्सप्रेस वे पर ग्रेड सेपरेटर बनाने की सहमति दी गई। इसके अलावा सड़कों के विकास के लिए 1200 करोड़ की अतिरिक्त राशि की स्वीकृति मिली है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ के विकास के लिए एक बड़ी सौगात है। छत्तीसगढ़ की औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क नेटवर्क का विस्तार राज्य के ग्रामीण इलाकों की कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाएगा, जिससे स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन सभी परियोजनाओं की नियमित रूप से समीक्षा करें और समय पर कार्य पूरा करने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वे स्वयं इन परियोजनाओं की प्रगति पर नजर रखेंगे और हर सप्ताह इसकी रिपोर्ट तलब करेंगे, ताकि काम में कोई देरी न हो। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार पूरी निष्ठा से इन परियोजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा करेगी, जिससे राज्य के नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिल सकेंगी और विकास की गति तेज होगी।

खाद्य मंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-मंडलीय उप समिति की बैठक सम्पन्न

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से होगी धान खरीदी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी को लेकर मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक विगत सोमवार को संपन्न हुई। कई अहम फैसले लिए गए। ज्ञात हो इस बार दिवाली के बाद धान की खरीदी की तैयारी है। मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में 15 नवंबर से धान खरीदी के साथ इस बार 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का प्रस्ताव पारित हुआ है। 3100 सौ में 21 क्विंटल धान खरीदी की जाएगी। सभी धान खरीदी केंद्र में इलेक्ट्रॉनिक वेटिंग मशीन से धान खरीदी का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, धान खरीदी के लिए 30, 000 गठान बरदाने की व्यवस्था की जाएगी। फिलहाल यह प्रस्ताव कैबिनेट की बैठक में पेश किया जाएगा, जहां अंतिम मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू किया जाएगा।

किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से होगी धान की खरीदी

ज्ञात हो की साल 2023 में 96 दिनों तक धान खरीदी चली। सीएम साय ने 31 जनवरी 2023 को खत्म होने वाले धान खरीदी के डेट को बढ़ाकर चार फरवरी कर दिया था। जिससे किसानों को धान बेचने में बड़ा फायदा हुआ। राज्य सरकार की रिपोर्ट के मुताबिर साल 2023-24 खरीफ वर्ष में समर्थन मूल्य पर 144.92 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई. जबकि साल 2022-23 के खरीफ साल में 107.53 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई. साल 2023-24 खरीफ वर्ष में कुल 37.39 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी ज्यादा हुई। मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ सरकार हर साल किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदती है. खरीफ वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर 24 लाख 72 हजार किसानों से धान खरीदी हुई. इन किसानों से 144.92 लाख यानी करीब 145 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया. धान खरीदी के इस आंकड़े ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए।

जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ में पिछले पांच के दौरान हुई धान खरीदी की बात करें तो लगातार धान खरीदी का लक्ष्य बढ़ रहा है। पिछले पांच सालों में धान खरीदी 80 लाख मीट्रिक टन से 145 लाख टन मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। साल 2019 के अनुसार प्रदेश में 80.37 लाख मीट्रिक टन खरीदी की गई थी। साल 2020 में 83.94 लाख मीट्रिक टन की खरीदी हुई, साल 2021 में 92 लाख मीट्रिक टन, साल 2022 में 107 लाख मीट्रिक टन की खरीदी की गई है। वही साल 2023 में यानी वर्तमान धान खरीदी 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है।

मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्री मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर आज बधाई दी। अभिनेता की प्रशंसा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि मिथुन दा एक सांस्कृतिक प्रतिभा के प्रतीक हैं और उन्हें अपने बहुमुखी अभिनय के लिए पीढ़ियों से सराहा जाता रहा है। केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के संदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने अपनी एक पोस्ट में लिखा- मुझे प्रसन्नता है कि श्री मिथुन चक्रवर्ती जी को भारतीय सिनेमा में उनके अद्वितीय योगदान को मान्यता देते हुए प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वह एक सांस्कृतिक प्रतिभा के प्रतीक हैं, जिन्हें उनके बहुमुखी अभिनय के लिए पीढ़ियों से सराहा जाता रहा है, उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा महादेव घाट पर स्वच्छता अभियान का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वच्छता ही सेवा 2024 के तहत भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), राज्य इकाई छत्तीसगढ़, रायपुर द्वारा महादेव घाट पर आज मेगा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम रायपुर के विभिन्न संस्थानों और सरकारी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया गया। नगर पालिका निगम, दुर्गा कॉलेज, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की एनएसएस टीम, शहीद संजय यादव सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गुरुकुल महिला महाविद्यालय, डागा गर्ल्स कॉलेज और नेहरू युवा केंद्र ने अभियान में सक्रिय योगदान दिया। अभियान में लगभग 400 प्रतिभागियों ने अपनी जनभागीदारी निभाई। उनकी भागीदारी स्वच्छता को बढ़ावा देने में सरकार और नागरिक समाज की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अभियान की शुरुआत प्रतिभागियों द्वारा स्वच्छता शपथ के साथ की गई, जिसके बाद एकल उपयोग प्लास्टिक (एसयूपी) के खिलाफ जागरूकता फैलाई गई और महादेव घाट, रायपुर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, और गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे का संग्रह और निपटान कर साइट की समग्र सफाई की गयी। इसके बाद मानव श्रृंखला बनाकर नगर पालिका निगम के हेल्पलाइन नंबर 1100 के प्रति जनता को जागरूक किया गया।

इस अवसर पर एकल उपयोग प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता फैलाने और स्वच्छ और हरित पर्यावरण के महत्व के लिए छात्रों द्वारा एक जीवंत नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, छत्तीसगढ़ राज्य इकाई, रायपुर के उप महानिदेशक, अमित ए धारवाड़कर, द्वारा भाग लेने वाले संगठनों के प्रतिनिधियों के अभिनंदन के साथ अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

निर्वाचन की सभी प्रक्रियाएं पारदर्शिता और निष्पक्षता से सम्पन्न कराएं : श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने उप निर्वाचन के लिए आरओ, एआरओ, नोडल और तकनीकी अधिकारियों के प्रशिक्षण को किया संबोधित

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने आज विधानसभा उप निर्वाचन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर, सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, नोडल अधिकारियों और तकनीकी अधिकारियों के प्रशिक्षण को संबोधित किया। उन्होंने विधानसभा उप निर्वाचन के दौरान सभी प्रक्रियाएं पारदर्शिता और निष्पक्षता से संपन्न कराने को कहा। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों तथा निर्धारित प्रक्रियाओं का गंभीरता से पालन करने के निर्देश दिए। श्रीमती कंगाले ने प्रशिक्षण में कहा कि राज्य में विधानसभा की एक रिक्त सीट के लिए उप चुनाव होगा। इसके लिए जल्दी ही प्रक्रिया शुरू होगी। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री पी.एस. ध्रुव भी प्रशिक्षण में उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उप चुनाव की तिथि की घोषणा के साथ ही इसके लिए आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाएगी। उन्होंने निर्बाध और सुचारू निर्वाचन के लिए संबंधित अधिकारियों को विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर आवश्यक सुविधाओं का जायजा लेने को कहा। उन्होंने सभी मतदान केंद्रों में छाया, पेयजल, शौचालय, रैंप इत्यादि व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाधारहित उप चुनाव के लिए आपसी समन्वय से सक्रियता से काम करने को कहा। उन्होंने आज के प्रशिक्षण में ट्रेनर्स से चर्चा कर अपनी-अपनी शाखाओं से संबंधित शंकाओं का समाधान करने को कहा। रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह और नगर निगम के आयुक्त अबिनाश मिश्रा भी इस दौरान मौजूद थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान नौ सत्रों में अधिकारियों को आदर्श आचरण संहिता, नामांकन प्रक्रिया, मीडिया प्रमाणन एवं अनुश्रवण समिति (एमसीएमसी), निर्वाचक नामावली, पोस्टल बैलेट, ईटीपीबीएस, निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग, मतगणना तथा निर्वाचन के दौरान प्रयुक्त आईटी एप्लीकेशन्स की बारीकियों की जानकारी दी गई।

जीएसटी कंपनसेशन सेस पुनर्गठन के लिए गठित मंत्रियों के समूह में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। देश में जीएसटी के तहत कंपनसेशन सेस के पुनर्गठन के लिए मंत्रियों के समूह का गठन किया गया है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता में गठित इस समूह में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी को सदस्य नामित किया गया है। उल्लेखनीय है कि जीएसटी काउंसिल की 54वीं बैठक में कंपनसेशन सेस को समाप्त कर एक नया कर ढांचा तैयार करने की जोर दिया गया था। इसी तारतम्य में ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स का गठन किया गया है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अगुवाई में गठित इस कमेटी में ओपी चौधरी के अलावा विभिन्न राज्यों के वित्त मंत्री भी शामिल है। यह समूह कंपनसेशन सेस को समाप्त करने के बाद प्रभावी और समग्र कर प्रणाली विकसित करने के लिए विभिन्न कर प्रस्तावों पर विचार करेगा। परिषद ने इस बात पर जोर दिया था कि, नया कर ढांचा न केवल राज्यों की वित्तीय स्थिरता को सुनिश्चित करेगा, बल्कि आर्थिक वृद्धि को भी बढ़ावा देगा। कंपनसेशन सेस के माध्यम से राज्यों को मिलने वाले वित्तीय संसाधनों का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि, इससे कई विकास परियोजनाओं को मदद मिलती है।

मिली जानकारी अनुसार सरकार ने राज्यों के राजस्व घाटे को पूरा करने के लिए वित्त वर्ष 2020-21 और 2021-22 में 2.69 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। जीएसटी परिषद ने ऋण और ब्याज चुकाने के लिए मुआवजा उपकर को मार्च, 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले सप्ताह कहा था कि ऋण और ब्याज का भुगतान दिसंबर, 2025 या जनवरी, 2026 तक पूरा होने की उम्मीद है। जीओएम क्षतिपूर्ति उपकर के भविष्य पर फैसला लेगा कि कैसे इसे केंद्र और राज्यों के बीच विभाजित किया जाए। साथ ही मंत्री समूह यह भी देखेगा कि कानून में क्या बदलाव करने की जरूरत है, क्योंकि अब इसे क्षतिपूर्ति उपकर नहीं कहा जा सकता है। मंत्री समूह यह देखेगा कि क्या इसे क्षतिपूर्ति उपकर के अलावा किसी अन्य रूप में जारी रखा जा सकता है। क्षतिपूर्ति उपकर को शुरुआत में राज्यों को हुए राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए पांच साल को लाया गया था। यह जून, 2022 में समाप्त हो गया था, लेकिन इससे जुटाई गई राशि का इस्तेमाल केंद्र द्वारा कोविड-19 के दौरान लिए गए कर्ज और ब्याज के 2.69 लाख करोड़ रुपये के भुगतान के लिए किया गया। जून, 2022 में केंद्र ने क्षतिपूर्ति उपकर को मार्च, 2026 तक बढ़ा दिया था। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) एक जुलाई, 2017 को लागू हुआ था।

एनजीईएल एवं राजस्थान सरकार के बीच 25 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं हेतु समझौता

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) ने 30 सितंबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट के अवसर पर राजस्थान सरकार के साथ, राजस्थान राज्य में 25 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए एक समझौता किया।

राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की गरिमामय उपस्थिति में एनजीईएल के निदेशक (परियोजनाएं) श्री के एस सुंदरम और एसीएस (ऊर्जा) श्री आलोक (आईएएस) ने समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर राजस्थान सरकार और एनजीईएल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

हरियाणा में चुनाव लड़ रही छोटी-छोटी पार्टियों का रिमोट कंट्रोल बीजेपी के पास : राहुल गांधी

अंबाला (आरएनएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। एक रैली के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में चुनाव लड़ रही छोटी-छोटी पार्टियां बीजेपी के इशारों पर काम कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों का असली रिमोट कंट्रोल बीजेपी के पास है और वे उसकी रणनीति का हिस्सा मात्र हैं।

विपक्ष के नेता व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, यह जो छोटी-छोटी पार्टियां हैं सब भाजपा के नियंत्रण में हैं। लड़ाई कांग्रेस और भाजपा के बीच है, आप कांग्रेस पार्टी को समर्थन दीजिए, यहां कांग्रेस पार्टी की सरकार लाइए। यहां आपके जेब से हर रोज़ अरबपतियों के लिए जो पैसा छीना जा रहा है उसे बंद कीजिए, हम आपके जेब में पैसे डालना चाहते हैं।

हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अंबाला में कांग्रेस नेता राहुल गाँधी ने एक जनसभा को संभोदित करते हुए कहा अडानी खेत में मेहनत नहीं करते, कोई छोटा व्यापार नहीं करते। लेकिन हर सुबह उनके बैंक अकाउंट में सुनामी की तरह पैसा आ रहा है। जितना पैसा उनके अकाउंट में सुनामी की तरह घुस रहा है,उतना ही पैसा आपके बैंक अकाउंट से तूफान की तरह निकलता जा रहा है।

छत्तीसगढ़ राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ का सम्मान समारोह, संघ की प्रबंध कार्यकारिणी का हुआ निर्वाचन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ द्वारा कन्वेंशन हॉल, न्यू सर्किट हाऊस सिविल लाईन्स रायपुर में सम्मेलन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वित्त सचिव श्रीमती शारदा वर्मा एवं अध्यक्षता संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन श्री रितेश कुमार अग्रवाल ने की।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में छत्तीसगढ़ राज्य वित्त सेवा अधिकारी संघ की प्रबंध कार्यकारिणी का निर्वाचन संपन्न हुआ। जिसमें डॉ. अल्पना घोष निर्विरोध अध्यक्ष चुनी गई। उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती किरण खरे एवं कोषाध्यक्ष पद पर श्री अनिल कुमार पाठक निर्वाचित हुए। इसी तरह सचिव पद पर श्री सचिन शर्मा एवं संयुक्त सचिव पद पर श्री भुवनेश्वर नायक निर्वाचित हुए। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में सेवानिवृत्त अधिकारियों का सम्मान शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह देकर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सचिव वित्त श्रीमती शारदा वर्मा ने दिए अपने उद्बोधन में वित्त विभाग को राज्य शासन की रीढ़ बताते हुए राज्य वित्त सेवा के संवर्धन में संघ की भूमिका पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ने निर्वाचित कार्यकारिणी को बैज लगाया। संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन ने वित्त विभाग में लागू किए जा रहे डिजिटल प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय दाऊ कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय के हिंदी विभाग में मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम 18 सितंबर से 30 सितंबर तक हुआ संचालित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। शासकीय दाऊ कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदा बाजार के हिंदी विभाग में राजभाषा मास के अवसर पर संचालित मूल्य संवर्धित पाठ्यक्रम 18 सितंबर से 30 सितंबर तक संचालित हुआ। प्राचार्य डॉ. ए आर सी जेम्स के निर्देशन और हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. उमाकांत मिश्र के संयोजन में संचालित भाषाई दक्षता और रचनात्मक लेखन पर केंद्रित इस पाठ्यक्रम में शास मिनीमाता कन्या महाविद्यालय बलौदा बाजार के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता त्यागी, शास गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटापारा की हिंदी विभागाध्यक्ष श्री आर के द्विवेदी, अंबुजा स्कूल के प्राचार्य श्री संजय पांडे और छ ग के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवधर महंत के अतिरिक्त डॉ. रीता यादव, डॉ. राजेंद्र वर्मा जैसे सहायक प्राध्यापक ने उपयोगी व्याख्यान देकर पंजीकृत छात्र छात्रा को लाभान्वित किया। समापन सत्र में महाविद्यालय के पूर्व छात्र श्री पोखन जायसवाल, शिक्षक पलारी द्वारा रचित काव्यसंग्रह, उसके हिस्से का और आलोचनात्मक पुस्तक समकालीन छत्तीसगढ़ी साहित्य का विमोचन प्राचार्य औरमुख्य अतिथि डॉ. देवधर महंत के हाथों डॉ. ए के उपाध्याय तथा डॉ. सी के चंद्रवंशी द्वारा किया गया। प्रतिभागी द्वारा बनाए गए पोस्टर की सराहना अतिथियों ने किया। पंजीकृत छात्र छात्रा को परीक्षा परिणाम के आधार पर प्रमाणपत्र दिए, जायेंगे छात्रा अमरदीप, भूपेंद्र, कृष्णा, संगीता, खुशबू, नीलम, हरिद्वार, शोध छात्र दीपक आदि का कार्यक्रम में सराहनीय योगदान रहा।

शांति भवन मे एंजेल्स डे मनाया गया

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। संत इग्नासियुस चर्च शांति भवन जशपुर में एंजेल्स डे 29 सितंबर 2024 को मनाया गया। चर्च के फा. फुलजेन्स एक्का ने समस्त लोक धर्मियों को आह्वान किया कि सभी काथलिक माता-पिता पाँच वर्ष से नीचे के बच्चों को विशेष परिधान में पूजा के लिये चर्च लेकर आये। तकरीबन 450 बच्चे सफेद परिधान में पूजा के लिये उपस्थित रहे। सभी बच्चों को ससम्मान चर्च में स्वागत् नाच के साथ प्रवेश दिलाया गया। बच्चे कतारबंध चर्च में प्रवेश किये। बच्चे मन के सच्चे, पवित्र, निष्कपट और बाल सुलभ गुणों से विभूषित होते हैं। बच्चों के भरन-पोषण, शिक्षा-ज्ञान व समग्र विकास के लिये माता-पिता और अभिभावक हमेशा प्रयासरत रहते हैं। उनका सम्मान, आदर और बेहतर माहौल बनाना हर व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए समस्त बच्चों के लिए विशेष दुवा प्रार्थना का आयोजन किया गया। सभी पेरेंटस और अभिभावक बच्चों के सर्वांगीण विकास, स्वस्थ्य, अच्छा ज्ञान, नैतिकतापूर्ण जीवन, चर्च और देश के सफल नागरिक बनने के लिए प्रार्थना और दुवा चढ़ाये।

कृषि विश्वविद्यालय एवं पत्रकारिता विश्वविद्यालय के विद्यार्थी पढ़ेंगे एक-दूसरे के विषय; हुआ समझौता

हिन्दी पखवाड़े के समापन पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित, कृषि पत्रकारिता में हिन्दी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण: प्रो. बलदेव भाई

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आज यहां हिन्दी पखवाड़ा 2024 के समापन के अवसर पर 'कृषि पत्रकारिता में हिन्दी की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा थे। प्रो. शर्मा ने कहा कि भारत की अधिकांश आबादी कृषि पर आश्रित होने के कारण यहां की अर्थ व्यवस्था में कृषि का बहुत महत्व है और अधिकांश आबादी के संवाद की भाषा हिन्दी होने के कारण यहां हिन्दी कृषि पत्रकारिता की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। विशिष्ट वक्ताओं के रूप में वरिष्ठ पत्रकार श्री शशांक शर्मा, श्री समीर दीवान तथा श्री प्रफुल्ल पारे ने कृषि के विद्यार्थियों के लिए कृषि पत्रकारिता की संभावनाओं, अवसरों एवं चुनौतियों पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं राजभाषा हिन्दी प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय तथा कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के बीच शिक्षा एवं अनुसंधान में परस्पर सहयोग करने हेतु एक एम.ओ.यू. भी हस्ताक्षरित किया गया। समारोह में कृषि के नवीनतम ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को किसानों एवं आम जनता तक पहुंचाने वाले पत्रकारों को सम्मानित भी किया गया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रो. शर्मा ने कहा कि भारत की परंपराएं कृषि एवं ऋषि संस्कृति पर आधारित हैं। कृषि हमारे लिए केवल खाद्यान्न उत्पादन का माध्यम नहीं बल्कि यह हमारे जीवन का संस्कार है। भारत में कृषि को उत्तम दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में पत्रकारिता और कृषि एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि कृषि के विद्यार्थी कृषि पत्रकारिता को अपनाकर नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी का प्रसार किसानों तक कर सकते हैं। इसके अलावा वे किसानों से संबंधित समस्याओं को सरकार तथा जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाने का कार्य भी कर सकते हैं। वे कृषि से संबंधित सरकारी नीतियों, जलवायु परिवर्तन एवं अन्य कारणों से फसल उत्पादन में आने वाली चुनौतियों एवं बाजार की समस्याओं के बारे में भी राष्ट्रीय स्तर पर विमर्श का निर्माण कर सकते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. चंदेल ने कहा कि कृषि विषय का अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए रोजगार एवं कैरियर हेतु बहुत से क्षेत्र उपलब्ध हैं जिनमें शिक्षण, अनुसंधान एवं प्रसार क्षेत्रों के साथ ही विभिन्न शासकीय, अर्धशासकीय, कॉरपोरेट तथा निजी संस्थानों में सेवा के अवसर भी शामिल हैं। इसके अलावा कृषि के विद्यार्थी कृषि आदान निर्माता जैसे उर्वरक, खाद, दवा एवं बीज कम्पनियों में कैरियर बना सकते हैं। उनके लिए बैंकिंग एवं सहकारी उपक्रमों सहित कृषि से संबंधित अन्य क्षेत्रों में भी रोजगार-सेवा के अवसर उपलब्ध हैं। कृषि छात्रों के लिए ऐसा ही एक नया कैरियर कृषि पत्रकारिता भी हो सकता है। जहां वे कृषि से संबंधित पत्र-पत्रिकाओं, न्यूज चैनल्स, रेडियो चैनल तथा वेब पोर्टल्स में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. चंदेल ने कहा कि आज कृषि विश्वविद्यालय एवं पत्रकारिता विश्वविद्यालय के मध्य सम्पन्न एम.ओ.यू. के द्वारा दोनों विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एक दूसरे के पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर सकेंगे।

12वीं बोर्ड के स्टेट टॉपर महक अग्रवाल को सीबीके ईव्ही मोटर्स ने किया इलेक्ट्रिक स्कूटर गिफ्ट

मुख्यमंत्री साय के द्वारा दी गई चाबी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में विस्तार न्यूज द्वारा आयोजित शिक्षा सम्मान समारोह-2024 में 12वीं बोर्ड के टॉपर बच्चों को सम्मानित किया.. छत्तीसगढ़ से पूरे प्रदेश व अपने-अपने जिले/संभाग क्षेत्र में टॉप किए बच्चों सहित लगभग 1200 से अधिक लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ स्टेट टॉपर महक अग्रवाल को सीबीके ईव्ही मोटर्स द्वारा पुरस्कार स्वरूप दी गई चमचमाती नई इलेक्ट्रिक स्कूटर की चाबी सौंपी और शिल्ड देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में बच्चों ने श्रीसाय जी से उनके बचपन, स्कूल व कॉलेज आदि समय के प्रश्न पूछे, जिसका मुख्यमंत्री जी ने शानदार जवाब दिया.. उन्होंने कहा कि वह बचपन से ही होनहार व गंभीर विघार्थी रहे हैं.. जनसेवा की भावना उनमें बचपन से ही रही है।

कार्यक्रम में प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बच्चों द्वारा अपने भविष्य को लेकर पूछे गये सारे प्रश्नों के उत्तर दिए व उनका मनोबल बढ़ाया, तो वहीं सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बच्चों के भविष्य को लेकर केंद्र व राज्य सरकार की सारी योजनायें स्पष्ट की। विस्तार न्यूज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक पुरंदर मिश्रा, खुशवंत साहेब, विस्तार न्यूज के चेयरमैन मुकेश श्रीवास्तव, सीबीके ईव्ही मोटर्स के सीएमडी नंदकिशोर साहू व एमडी लोकेश द्विवेदी आदि उपस्थित थे।

पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी से स्टाफ आफिसर सहित 8 कर्मचारियों की भावभीनी विदाई

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के सेवाभवन में ट्रांसमिशन कंपनी के 8 अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा प्रशस्ति पत्र, घड़ी, शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई।

इस अवसर पर एम.डी. ट्रांसमिशन कार्यालय में पदस्थ स्टॉफ ऑफिसर श्री प्रभाकर राव नाडीकट्ला सहित अन्य कार्यालयों में पदस्थ अनुभाग अधिकारी श्री मनोहर प्रसाद साहू, श्री पन्ना लाल साहू, कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री दिनेश कुमार गंगराले, राजनांदगांव से वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री उदल सिंह शोरी, भिलाई से लाईन सहायक श्री पढ़रीनाथ राणे, श्री डी. राजू देवांगन, श्री बाला प्रसाद कुशवाहा को सेवानिवृत्ति पश्चात् विदाई समारोह में सम्मानित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री के.एस.मनोठिया, श्री एम.एस.चौहान, मुख्य अभियंता श्री जी.आनंद राव, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री के.बी. पात्रे, अतिरिक्त महाप्रबंधक (वित्त) श्री मुकेश कश्यप एवं श्री अजय शर्मा, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल तथा आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता श्री राजेश सिंह द्वारा किया गया। पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा पृथक से आयोजित कार्यक्रम में स्टॉफ ऑफिसर श्री प्रभाकर राव नाडीकट्ला को विदाई दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र, विंग कमाण्डर श्री ए.श्रीनिवास राव, उपमहाप्रबंधक श्री पंकज सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मण्डावी ने किया।

रायपुर आटो मोबाईल डीलर्स एसोसियेशन (राडा) की नई कार्यकारणी का गठन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर आटो मोबाईल डीलर्स एसोसियेशन (राडा) ने दिनांक 28.09.2024 को होटल सायाजी में राडा की नई कार्यकारणी का गठन के लिए वार्षिक आम सभा का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एफ.ए.डी.ए. (फाडा) के अध्यक्ष श्री सी एस विगनेश्वेर एवं विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष श्री अमर परवानी जी, एफ.ए.डी.ए. (फाडा) के पूर्व अध्यक्ष श्री मनीष राज सिघनिया जी और एफ.ए.डी.ए. (फाडा) के सीईओ श्री सहर्ष दमानी उपस्थित थे। कार्यक्रम में राडा सदस्य व् प्रदेश के 75 से अधिक ऑटोमोबाईल सदस्य उपस्थित थे।

सचिव श्री कैलाश खेमानी ने अतिथियों व् आई.पी.पी. मेम्बरों को आमंत्रित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना व् दीप प्रज्वलित कराकर किया और सचिव श्री कैलाश खेमानी ने एफ.ए.डी.ए. (फाडा) के अध्यक्ष श्री सी एस विगनेश्वेर एवं विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष श्री अमर परवानी जी, एफ.ए.डी.ए. (फाडा) के पूर्व अध्यक्ष श्री मनीष राज सिघनिया जी, एफ.ए.डी.ए. (फाडा) के सीईओ श्री सहर्ष दमानी एवं आई.पी.पी. मेबर्स श्री शशांक शाह, श्री अनिल अग्रवाल एवं श्री जयेश् पिथालिया का छत्तीसगढ़ी गमछा व् पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष विवेक गर्ग, उपाध्यक्ष रविन्द्र भसीन, सचिव कैलाश खेमानी ने उपस्थित ऑटोमोबाईल व्यवसाई व् अतिथीयो का अभिवादन करते हुवे मंच को संभाला, सचिव कैलाश खेमानी जी ने एक चल चित्र के माध्यम से राडा द्वारा दो वर्षो में किये गए कार्यो को दिखाया, इसके उपरांत सभा के समक्ष अपने कार्यकाल का लेखा जोखा प्रस्तुक किया और आगे के वर्ष के प्रावधान से अवगत कराया।

कार्यक्रम में नये कार्यकारणी का गठन किया गया जिसमे अध्यक्ष रविन्द्र भसीन (भसीन मोटर्स)के डीलर है और विगत 14 वर्षो से राडा के सदस्य है और उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी (सिटी हौंडा), सचिव विवेक अग्रवाल (वंदना ऑटो) व् कोषाध्यक्ष मुकेश सिंघानिया (काइज़ेन टोयोटा) को सर्वसम्मति से अगले दो वर्षो के लिए चुना गया।

नए राडा अध्यक्ष श्री रविन्द्र भसीन जी बोर्ड के सदस्यों व् उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद करते हुए कहा जिस तरह आप सभी का स्नेह व् साथ मुझे मिला है जिसका मै बहुत आभारी हूँ राडा के बोर्ड के सदस्यों के मार्गदर्शन से हमारा हर काम आसान होता आया है और मुझ पर जो जवाब दारी दी गई है उनको पूरी मै अपनी पूरी निष्ठा के साथ करने की कोशिश करुगा, आज जो पदाधिकारियों का गठन हुवा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक/281/ स्वा.वि. मुख्यालय / न.पा.नि./2024 रायपुर दिनांक 30/09/2024

संशोधित निविदा आमंत्रण सूचना

पूर्व में जारी निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 277/स्वा. वि मुख्यालय/न.पा.नि./2024 रायुपर दिनांक 23.09.2024 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है-

क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	अमानती राशि	समय सीमा
1.	जिला न्यायालय परिसर रायपुर की साफ सफाई हेतु 15 अकुशल श्रमिक 01 वाहन चालक प्लेसमेंट के माध्यम से रखे जाने, 01 नग ई-रिक्शा वाहन किराये से व सफाई सामग्री (फिनाईल) प्रदाय करने का कार्य व्यवस्था हेतु। (समयावधि 06 माह)	16.69	750 रू	16700	6 Month

टीप- शेष निविदा नियम शर्ते यथावत रहेगी।

स्वास्थ्य अधिकारी
नगर पालिक निगम
रायपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूसन कंपनी लिमिटेड, रायपुर

(छ.ग. शासन का एक उपक्रम) (कार्यालय न.स.उ. छ.रा.वि.मं. की उत्तरदायी कंपनी) सी.आई. एल. U40108C T2003SGC015822
पता: क्वा. नं. 5. एवं 6 पावर हाउस कालोनी सी.एस.ई.बी. कैम्पस, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.)
वेबसाईट www.espe.gov.in. bZesy&eecitynorth.raipur@eseb VsyhQksu ua-& 0771-2574753

सूचना

विद्युत लाईनों/उपकरणों के रख-रखाव लाईन मरम्मत के आवश्यक कार्य हेतु निम्नांकित फीडरों/उपकेन्द्र के सम्मुख दर्शाये तिथि एवं समय में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी जिसके समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन संभव हैं। असुविधा के लिये खेद हैं।

क्र.	दिनांक एवं दिन	समय	उपकेन्द्र का नाम	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	01.10.2024 मंगलवार	दोपहर 02:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक	33/11 के.व्ही. गोंदवारा उपकेन्द्र	11 के.व्ही. वरूण फीडर	अनुग्रह रेसीडेंसी, लक्ष्मी विहार, बसंत विहार, सुखराम नगर एवं संबंधित क्षेत्र

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाइये ।
उपभोक्तागण विद्युत शिकायत के लिये विद्युत शिकायत केन्द्र गुढ़ियारी-2593892, खमतराई-2576317. टाटीबंध-2574755. कबीर नगर-2574024, केन्द्रीय काल सेन्टर 1912 में संपर्क कर एवं मोर बिजली एप डाउन लोडकर बिजली संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं।
जनहित में विद्युत आपूर्ति हेतु लगाये गये विद्युत लाईन के नीचे/बगल से भवन/रोड/तालाब का निर्माण करना अवैधानिक हैं। अत: विद्युत सुरक्षा नियमों का पालन करें।

कार्यपालन अभियंता
नगर संभाग उत्तर
छ.स्टे. पॉ.डि. कं. लिमि.. रायपुर

SAMVAD- 41606/ 2

कर्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जशपुर जिला-जशपुर (छ.ग.)

// उदघोषणा //

क्रमांक / / रीडर-1/2024 जशपुर, दिनांक - 29/9/24

एतद् द्वारा समस्त आम जनता आरा प.ह.न. 21 तहसील जशपुर जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि आवेदक **सुमित कुमार गुप्ता आ. स्व. गिरिवर प्रसाद गुप्ता निवासी मु. राजश्री होटल के पास तहसील जशपुर जिला जशपुर (छ.ग.)** के द्वारा सारणी में उल्लेखित ग्राम आरा स्थित आवेदित भूमि को औद्योगिक (केशर मशीन) प्रयोजन भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदित भूमि का सारिणी

क्र.	ग्राम	प.ह.न.	आवेदित भूमि			प्रयोजनार्थ
			ख.न.	रकबा	में से/वर्ग.मी.	
1	2	3	4	5	6	7
1	आरा	21	180/3	0.3040	51 डि.	औद्योगिक प्रयोजन

उपरोक्त मामले की सुनवाई दिनांक 14/10/2024 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जशपुर के न्यायालय में न्यायालयीन समय 11.00 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है। इस संबंध में यदि किसी पक्षकार / व्यक्ति / संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे नियत दिनांक/समय / स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत तिथि एवं समय के पश्चात् किसी भी दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक .....29/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
जशपुर, (छत्तीसगढ़)

कर्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) जशपुर जिला-जशपुर (छ.ग.)

// उदघोषणा //

क्रमांक / / रीडर-1/2024 जशपुर, दिनांक - 29/9/24

एतद् द्वारा समस्त आम जनता आरा प.ह.न. 07 तहसील जशपुर जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि **आवेदक सुमित कुमार गुप्ता आ. स्व. गिरिवर प्रसाद गुप्ता निवासी मु. राजश्री होटल के पास तहसील जशपुर जिला जशपुर (छ.ग.)** के द्वारा सारणी में उल्लेखित ग्राम आरा स्थित आवेदित भूमि को **व्यवसायिक** प्रयोजन भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदित भूमि का सारिणी

क्र.	ग्राम	प.ह.न.	आवेदित भूमि			प्रयोजनार्थ
			ख.न.	रकबा	में से/वर्ग.मी.	
1	2	3	4	5	6	7
1	जशपुर	07	35/22	0.0810	0.0810	व्यवसायिक प्रयोजन

उपरोक्त मामले की सुनवाई दिनांक 14/10/2024 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जशपुर के न्यायालय में न्यायालयीन समय 11.00 बजे से सायं 5.30 बजे तक होना नियत किया गया है। इस संबंध में यदि किसी पक्षकार / व्यक्ति / संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे नियत दिनांक/समय / स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर स्वत: अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत तिथि एवं समय के पश्चात् किसी भी दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक .....29/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
जशपुर, (छत्तीसगढ़)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर

फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम-सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 1126 दिनांक **06.03.2012** के द्वारा नवा **रायपुर अटल नगर सेक्टर-29,** में स्वतंत्र भवन क्रमांक- **एच.आई.जी-I/632, को श्री दिलीप चंद जैन पिता श्री गुमान चंद जैन,** के नाम स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय रायपुर से **दिनांक 28.03.2014** को लिजडीड (पट्टा विलेख) का निष्पादन करा लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर भवन का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में **श्री दिलीप चंद जैन पिता श्री गुमान चंद जैन, निवासी:- ई-25/5, झंकार छाया, सरदार बगीचा के पास, टैगोर नगर, रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त भवन को केता श्रीमती पूनम गुसाई पति श्री मनीष सिंह गुसाई, निवासी:- ए-4, गायत्री नगर फेस-2, तेलीबांधा रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29, में स्थित स्वतंत्र भवन क्रमांक - **एच.आई.जी-I/632,** के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मये दस्तावेज अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर

(छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **दीनदयाल आवास योजना, सेजबहार/दतरेंगा, रायपुर में स्थित भवन क्र. एल.आई.जी.-1055, श्री अरविंद उपाध्याय पिता श्री विनोद भूषण उपाध्याय** के नाम पर इस कार्यालय का आदेश क्रमांक 6217 दिनांक 09.11.2006 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 30.11.2016 को लीजडीड पंजीकृत करा लिया गया है। तत्पश्चात् वर्तमान में **आबंटी श्री अरविंद उपाध्याय पिता श्री विनोद भूषण उपाध्याय निवासी: ई ई नगर निगम मेन आफिस, मालवीय रोड, रायपुर (छ.ग.)** द्वारा उक्त भवन को **क्रेता श्री विनीत शर्मा पिता श्री पवन कुमार शर्मा निवासी :- पवन पुष्प ओम सोसायटी, प्राइमरी स्कूल के पास, सुन्दर नगर, रायपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्था बैंक इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद में आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर

(छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा शंकर नगर सरहद रायपुर में निर्मित **दीनदयाल आवास योजनांतर्गत एल.आई.जी. फ्लैट क्रमांक-02, ब्लॉक-01, भूतल, श्री कमल कुमार राठौर पिता श्री ए.के. राठौर** के नाम पर स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा समस्त राशि जमा कर फ्लैट कि लीजडीड दिनांक 16.10.2008 को पंजीकृत करने उपरांत फ्लैट का आधिपत्य प्राप्त कर लिया गया है। **वर्तमान में आबंटी श्री कमल कुमार राठौर पिता श्री ए.के. राठौर, निवासी- म.नं.-67, सेक्टर-02, गीतांजली नगर, रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त **फ्लैट को क्रेता श्रीमती विद्या बाई गुप्ता पति श्री तुलसी राम गुप्ता, निवासी नया बस स्टैण्ड के पास, ग्राम बांदकपुर जिला दमोह (म.प्र.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)

मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /18467/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 30-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 18467
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR108N00659** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **OMKAR NATH MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMAKARAN MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SANDEEP KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JASWINDER SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
आदित्य कुमार हलदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)

मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./14455/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 30-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14455
वार्ड का नाम-22-पं. ईश्वरीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR814K303BA** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMOL KUMAR BHUSHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KRISHNA KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **महाजन कमला** पिता/पति, श्री/श्रीमती **महाजन त्रिलोचन साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

क्रमांक 202409116400040/ अ-6/2023-2024
ग्राम सेजबहार प.न.ह. - 82
रायपुर, दिनांक 25/09/2024
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **अनुराग श्रीवास्तव पिता स्व. भगवत शरण श्रीवास्तव निवासी गुलशन वाटिका सेजबहार रायपुर तहसील व जिला रायपुर** के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि **ग्राम सेजबहार पटवारी हल्का नंबर 82. राजस्व निरीक्षक मण्डल रायपुर 18 तहसील व जिला रायपुर** स्थित भूमि खसरा नंबर 181/14 संविलियन पश्चात खसरा नंबर 15001/1 का भाग रकबा 0.0089 है. भूमि अर्थात् 958 वर्गफुट भूमि आवेदक के द्वारा धारित कि जाती है। उपरोक्त भूमि को विक्रेता **गायत्री बजाज पिता वासुदेव के द्वारा दिनांक 28/10/2015** को आवेदक के पक्ष में पंजीकृत विकय विलेख निष्पादित किया गया है। आवेदक द्वारा आवेदित भूमि पर पंजीकृत विकय विलेख के आधार पर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 18/10/2024 तक स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार,
रायपुर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 01 अक्टूबर 2024

सुदूरवर्ती ग्रामीणों के लिए लाभदायक हुआ सिरमिना का शिविर

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का किया गया आयोजन

शासन की योजनाओं से हितग्राही हुए लाभान्वित

विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र, किसानों को मोटर पम्प सहित परिवार सहायता का मिला चेक

कोरबा(विश्व परिवार)। पोड़ी-उपरोड़ा विकासखंड के सुदूरवर्ती ग्राम पंचायत सिरमिना में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर ग्रामीणों के लिए बहुत लाभदायक साबित हुआ। कलेक्टर, प्रभारी जिला पंचायत सीईओ, अपर कलेक्टर सहित जिले के सभी विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में क्षेत्र के ग्रामीणों ने अपनी मांगों को आवेदन के माध्यम से न सिर्फ रखा अपितु कलेक्टर अजीत वसंत को भी माइक के माध्यम से वन-टू-वन चर्चा कर जानकारी दी। कलेक्टर ने सभी को ध्यान से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणों के आवेदन पर की जाने वाली कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश दिए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इस दौरान शासन की योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक पाली तानाखार श्री तुलेश्वर सिंह मरकाम शामिल हुए। विधायक, कलेक्टर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। स्थानीय कलाकारों द्वारा पारंपरिक लोकनृत्य के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया साथ ही स्कूली छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए विधायक पाली-तानाखार श्री मरकाम ने कहा कि क्षेत्र के ग्रामीणों की शिकायतों का त्वरित निराकरण एवं उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्र सिरमिना में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया है। यहां कलेक्टर सहित जिले के सभी बड़े अधिकारी व विभाग प्रमुख उपस्थित है। उन्होंने ग्रामीणों को शिविर में अपनी समस्याओं का निराकरण कराने एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी लेकर लाभांवित होने का आग्रह किया। विधायक श्री मरकाम ने कहा कि सरकार द्वारा डीएमएफ की राशि का उपयोग जिले के विकास के लिए अनुमति दी गई है। इससे क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं का तेजी से निराकरण होगा। भवन विहीन व जर्जर स्कूल, आँगनबाड़ी भवन के लिए नए भवन बनाए जाएंगे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु एकल शिक्षक व शिक्षकविहीन विद्यालयों में शिक्षक की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। सडकविहीन क्षेत्र में सड़क, आवश्यक स्थानों में पुल पुलिया की व्यवस्था की जाएगी। स्वास्थ्य सुविधाओं में भी विस्तार किया जाएगा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने कहा कि शिविर में जो भी आवेदन प्राप्त हुए हैं, सभी का परीक्षण किया जा रहा है। तहसील और जनपद और जिला स्तर पर जिसका निराकरण हो सकता है उसका यही निराकरण किया जाएगा। शासन स्तर पर पूरी होने वाली मांगों का निराकरण के लिए आवेदन को शासन को भेजा जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं विभागीय मंत्री के प्रयासों से जिले में गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कर राशि हितग्राहियों के खाते में डाले गए हैं। किसी गरीब व्यक्ति के लिए आवास पहली प्राथमिकता होती है, इसलिए इस राशि का उपयोग आवास निर्माण में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले के जर्जर विद्यालयों का विनिष्टिकरण कर नए भवन बनाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। पोड़ी उपरोड़ा ब्लॉक में भी स्कूल भवन की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र भवन, राशन दुकान हेतु भवन की भी स्वीकृति दी जा रही है। कलेक्टर ने आगे कहा कि स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों में भोजन पकाने वाले रसोइयों को परेशानी न हो और बच्चों को समय पर भोजन मिले, इसके लिए गैस सिलेंडर की व्यवस्था के साथ ही साल भर गैस रिफिलिंग का खर्च भी वहन करने की पहल 02 अक्टूबर से की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

कोरबी में मुख्य मार्ग पर पहुंचा हाथियों का झुंड

कोरबा(विश्व परिवार)। कटघोरा वनमंडल अंतर्गत केंदई रेंज के कोरबी सर्किल में बड़ी संख्या में हाथी एक बार फिर पहुंच गए हैं। 39 सदस्यीय इस दल में नर -मादा हाथियों के अलावा शावक भी शामिल है। हाथियों का यह दल आज प्रात: 9.30 बजे के लगभग कोरबी चिरमिरी के मुख्यमार्ग पर पहुंच सडक पार किया। बड़ी संख्या में हाथियों के पहुंचने तथा सडक पार किये जाने की सूचना जैसे ही वन विभाग को लगी, तत्काल वन अमला मौके पर पहुंचे और सडक के दोनों ओर आवागमन को रोक हाथियों को सडक पार करने दिया। इस दौरान वाहनों की लंबी कतार मुख्य मार्ग के दोनों ओर लग गई। वहीं ग्रामीण भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच कर झुंड की के साथ ही हाथियों की फोटो ग्राफी व रील बनाने में लग गए, जिसे स्टाफ ने समझा बुझाकर नियंत्रित किया। हाथियों ने सडक पार जंगल जाने के बाद आवागमन सामान्य हुआ और लोग अपने-अपने गतंव्य की ओर रवाना हुए। बताया जाता है कि पसान रेंज के सेमहरा क्षेत्र में मौजूद हाथियों का दल केंदई रेंज में आ गया है। यह दल पूर्व में यहां मौजूद हाथियों के साथ मिला और आज सुबह कोरबी में पोस्ट आफिस के निकट मुख्य मार्ग को पार किया और खुरूपारा जंगल पहुंच गया। हाथियों के दल ने रास्ते में रोदे पोड़ी खुर्द तथा कोरबी में बड़ी मात्रा में ग्रामीणों की फसल को रौंद दिया है।

नदी में डूबने से हुई युवक की मृत्यु

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत हसदेव नदी में नहाने के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। यहां नदी की गहराई में डूबने से एक युवक की मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार उरगा थानांतर्गत ग्राम देवरमाल का निवासी मृतक का नाम सतीश पटेल बताया जा रहा हैं। आसपास के लोगों ने बताया कि सतीश नहाने के लिए नदी में उतरा था लेकिन काफी देर तक बाहर नहीं आया, इसके बाद लोगों ने उसे ढूंढना शुरू किया जहां वह पानी में डूबा हुआ मिला। युवक को नदी से निकाल कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने परीक्षण के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना मिलती पुलिस मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, जिसके बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया।

जल जीवन मिशन, निर्माण कार्य के स्तरहीन होने का आरोप

कोरबा(विश्व परिवार)। जल जीवन मिशन के तहत कोरबा जिले पोंडी उपरोड़ा विकासखण्ड के ग्राम पंचायत बंजारी मे लांखों की लागत से पानी टंकी का निर्माण किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य लोगों तक नल के माध्यम से स्वच्छ पानी पहुंचाना है, लेकिन ठेकेदार द्वारा मनमाने तरीके से स्तरहीन निर्माण कार्य किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। जिले के पोड़ी विकासखंड मे केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल, हर घर जल का हाल बहुत बुरा है। पीएचई विभाग द्वारा बनाई जा रही करोड़ों रुपये खर्च कर जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकीयां सफेद हाथी साबित हो रही है। जिसके कारण यह योजना शुरू होने से पहले ही धाराशायी हो गई। दो माह पूर्व ग्राम पंचायत बंजारी मे बनाई गई पानी टंकी का हाल बत से बत्तर हो गया है, और तो और पानी टंकी के चारो तरफ बने बाउंड्री महज एक महीने मे ही टूट जमीदोज हो गया और पानी टंकी के चारो बेस में बड़ी बड़ी दरारे आ गई है, कुल मिलाकर बंजारी का पानी टंकी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया, वही प्रशासन व विभाग चुप्पी साधे बैठा है। जल जीवन मिशन योजना कि बात करें तो इस योजना कों शासन कि राशि का बंदरबाट करने के लिए विभाग ने ठेका ले रखा है, ग्रामीणों कों तो इसका लाभ नहीं मिल रहा लेकिन ठेकेदार व विभाग के अधिकारी जरूर फल फूल रहे है,या यूँ कहे तो विकास कि गंगा अधिकारीयों व ठेकेदारों कि पास बह रही है। पोड़ी उपरोड़ा विकास खंड के प्रायरू ग्राम पंचायतो कि पानी टंकी भ्रष्टाचार कि भेंट चढ़ गई है। करोड़ो कि राशि का शासन कों चुना लगाया जा रहा है। गुणवत्ताहीन निर्माण के साथ निर्धारित मटेरियल का उपयोग निर्माण मे नहीं किया जा रहा है वजह यही है कि भारी भरकम टंकी का बेस भी कमजोर हो गया है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने से इंकार नही किया जा सकता। वर्ष 2024 मई जून मे निर्माण किऐ गए पानी टंकी के चारो तरफ आहता (बाउंड्रीवाल) बनाया गया तहस। लेकिन यह बाउंड्रीवाल महज कुछ ही दिनों मे टूट कर गिर गया। ग्रामीणों ने बताया कि महज एक ही महीने हुए हैं बाउंड्रीवाल बने लेकिन दीवार इतनी कमजोर बनाई गई कि आज ऐ बाउंडीवाल पूरी तरह से धरासायी हो गया, इससे जाहिर होता है कि ठेकेदारों व विभाग कों ग्रामीणों कि समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है बल्कि अपनी जेब गरम करने के लिए भ्रष्टाचार कर निर्माण कार्य करने मे लगे हुए हैं। सबसे बड़ी बात की विभाग के इंजीनियर ऐसे कार्यों का सत्यापन कर ठेकेदारों से मोटी रकम वसूल लेते हैं। उन्हें निर्माण की गुणवत्ता से कोई मतलब नहीं।

नगर पंचायत प्रतापपुर के ऐतिहासिक पक्की तालाब में वर्कआउट एवं स्वच्छता अभियान

शामिल हुए फिट एंड फाइन क्लब के मेंबर

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-प्रतापपुर नगर पंचायत के ऐतिहासिक पक्की तालाब में प्रतापपुर फिट एंड फाइन वैलनेस सेंटर के मेंबरो ने स्वच्छता शिविर व वर्कआउट का आयोजन किया जिसमें नगर के काफी संख्या में लोग हिस्सा लिया और फिट इंडिया का नारा देते हुए अच्छे स्वास्थ्य के लिए वर्कआउट आवश्यक है साथ में अच्छा न्यूट्रिशन लेना भी आवश्यक है संस्था के सीनियर स्वास्थ्य सलाहकार सेराजुल हक व स्वास्थ्य सलाहकार फिरोज अंसारी ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए एक्सरसाइज बहुत जरूरी आज के भाग दौड़ भरी जिंदगी में हम अपने स्वास्थ्य के प्रति बहुत लापरवाह हो गए हैं अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छा न्यूट्रिशन और वर्कआउट बहुत आवश्यक है उपस्थित सभी क्लब के मेंबरों ने की पक्की तालाब में स्वच्छता अभियान भी चलाया और जिले के कलेक्टर द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के संबंध में लोगों को बताया एवं जागरूक किया इस दौरान संस्था के सीनियर स्वास्थ्य सलाहकार सेराजुल हक आने वाले रविवार को सुबह 6 बजे से फिर से वर्कआउट का आयोजन किया जाएगा जिसमें अधिक संख्या में लोगों को स्वास्थ्य लेने की अपील की गई है इस दौरान मोहम्मद जिसान खान ,कमलेश सिह ,सुषमा सिह, शशि सिह, नासरीन खान, सबीरान खान, तस्लीमा, तमना खातून, अनवर हुसैन, उमेश जायसवाल, शरियत खान,संतोष जायसवाल , जैनुल, आरिफ ईराकी ,अशोक जायसवाल , उमेश जायसवाल भगवती गायकवाल आदि उपस्थित थे।

जिले की पांच हजार से अधिक महिलाओं ने किया अभिव्यक्ति एप पर रजिस्ट्रेशन

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले में महिला सुरक्षा से जुड़ी पुलिस विभाग की अभिव्यक्ति एप से 5 हजार से अधिक महिलाएं जुड़ चुकी हैं। महिलाओं की सुरक्षा व उनकी सुविधा के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस ने अभिव्यक्ति एप लांच किया है। कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में महिला सेल सहित सभी थाना-चैकी के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाकर महिला, युवती व किशोरियों को अभिव्यक्ति एप के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। अब तक जिले में 5862 महिलाओं ने एप डाउनलोड करके रजिस्ट्रेशन किया है। पुलिस टीम लगातार शिक्षण, प्रशिक्षण संस्थान में पहुंचकर अभिव्यक्ति एप डाउनलोड करा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया की अभिव्यक्ति एप में महिला की सुरक्षा के लिए बहुत से फीचर हैं। खासकर आपातकालीन परिस्थिति के लिए एसओएस बटन है और थाना गए बिना ही कहीं से भी शिकायत दर्ज कराने की सुविधा है। शिकायत करने वाले की पहचान भी उजागर नहीं होगी। ऐसे शिकायत पर 1 सप्ताह के भीतर ही निराकरण होगा। एप में सुरक्षा के कई और भी टिप्स दिया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा ने जिले की महिलाओं से एप डाउनलोड रजिस्ट्रेशन करने अपील की है।

सड़क दुर्घटनाओं को लेकर पुलिस अधीक्षक ने यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने दिये निर्देश

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले में बढ़ते सड़क हादसों के मद्देनजर लस अधीक्षक ने यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में सख्त निर्देश दिए हैं। थाना एवं चैकी क्षेत्र में वाहनों की जांच पड़ताल करते हुए चालकों द्वारा शराब या अन्य नशे में वाहन चलाते पाए जाने पर भी जब्ती की कार्रवाई हो रही है। नाबालिग स्कूली बच्चों के द्वारा दुपहिया वाहन चला कर स्कूल जाने और आने पर रोक के संबंध में अनेकों बार हिदायत देने के बाद भी आदत में सुधार न होने पर आज शुक्रवार को यातायात टीम ने सरस्वती शिशु मंदिर के बाहर पहुंचकर सात वाहन चालकों पर 14 हजार समन शुल्क जमा कराया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा के पर्यवेक्षण में सरस्वती शिशु मंदिर सीतामणी विद्यालय के सामने यातायात की टीम ने ऐसे विद्यार्थियों पर कार्यवाही की जो दो पहिया वाहन चलाते हुए विद्यालय पहुंचे थे। उनके परिजन को मौके पर तलब कर जुर्माना की कार्यवाही करते हुए कई मोटरसाइकिलों को जब्त किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा ने पहले भी स्पष्ट कहा है कि बच्चों के अभिभावक उन्हें स्वयं विद्यालय लाना ले जाना करें। यह संभव ना हो तो अन्य वाहन की व्यवस्था करें लेकिन नाबालिग बच्चों के हाथ में वाहन चलाने के लिए बिल्कुल भी ना दें। यदि एक बार की सलाह पर आदत में सुधार नहीं आएगा तो कठोर कार्यवाही की जाएगी और न्यायालय प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा।

प्रदेश में बिगड़ते कानून व्यवस्था से खफा कांग्रेस ने न्याय यात्रा -अनुपम फिलिप

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार) प्रदेश में सामाजिक समरसता,शांति और न्याय को स्थापित करने के उद्देश्य से कॉंग्रेस नेपिछले 27 सितंबर से छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा की शुरुआत की है। कॉंग्रेस प्रदेश में हर दिन होते हत्या, बलात्कार, चाकूबाजी, लूट, बलात्कार, महिला उत्पीड़न और आपराधिक आतंक के खिलाफ यह पदयात्रा कर रही है। कॉंग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में गुरु घासीदास की तपोभूमि गिरौधपुरी धाम से लेकर राजधानी रायपुर तक कांग्रेस कार्यकर्ता 130 किलोमीटर की पदयात्रा कर रहें है। छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा में कॉंग्रेस प्रदेश संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता अनुपम फिलिप स्थाई पदयात्री के रूप में शामिल है। प्रदेश प्रवक्ता अनुपम फिलिप ने बताया कि छत्तीसगढ़ न्याय पदयात्रा प्रदेश में गंभीर अपराधों से उपजे भय के विरुद्ध है। प्रदेश में सांघातिक अपराधों में आश्चर्यजनक वृद्धि कानून व्यवस्था के नाकाम होने का प्रमाण है। अपराधियों के हौसले बुलंद है। प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है।

अनुपम फिलिप ने कहा कि राज्य सरकार का पहला कर्तव्य छत्तीसगढ़ के नागरिकों को सुरक्षित वातावरण देना होता है। जिसमे राज्य की भाजपा सरकार बुरी तरह असफल हुयी है। प्रदेश में हर तरफ भय और आतंक का अभूतपूर्व माहौल है।

छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा को मिल रहे बेहतर प्रतिसाद से यह साफ हो गया है कि जनता अब शांति चाहती है। छत्तीसगढ़ शांति का टापू माना जाता है। जनता रोज़ रोज़ के अपराध से त्रस्त हो चुकी है। महिलाएं अपनी सुरक्षा को लेकर भयभीत है। छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा राज्य सरकार को अपने नागरिकों की सेवा, सुरक्षा के लिए सचेत करने की यात्रा है। न्याय यात्रा का समापन गाँधी जयंती के दिन राजधानी रायपुर में होगा।

कोयला कर्मचारियों को मिलेगा 93750रूपए दीपावली बोनस कोल इंडिया एवं ट्रेड यूनियन की बैठक में लिया गया निर्णय

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- कोयला कामगारों के लिए बड़ी खबर सामने आई। कोल इंडिया के कर्मचारियों को वर्ष 2024 में 93,750 रूपये सालाना दीपावली बोनस मिलेगा। दिल्ली के स्कोप भवन में आज कोल इंडिया प्रबंधन तथा ट्रेड यूनियन बीएमएस,एटक, एच एम एस, सीटू के नेताओं की बैठक हुई । बैठक में काफी मोल भाव और मंथन के बाद सालाना बोनस की राशि 93,750 रूपये तय हुई। इस संबंध में जानकारी देते हुए श्रमिक संगठन एटक के केंद्रीय उपाध्यक्ष व मानकीकरण कमेटी के सदस्य कामरेड हरिद्वार सिंह ने बताया कि लंबी बातचीत के बाद कामगारों को 93,750 रूपये सालाना बोनस देने पर सहमति बनी तथा ठेका मजदूरों को 8.33प्रतिशत बोनस मिलेगा।

कोल इंडिया प्रबंधन और पांचो यूनियन के बीच आज उक्त विषय पर हुआ समझौता । इस समझौते की जानकारी जैसे ही एसईसीएल कामगारों को लगी उन्होंने इस निर्णय का स्वागत तो किया साथ ही ठेका मजदूर के लिए बोनस कि स्थिति स्पष्ट न होने से इन्होंने असंतोष भी व्यक्त किया। इन कामगारों का मानना है कि ठेका मजदूरों को भी कोल इंडिया के कर्मचारी जैसा ही बोनस मिलना चाहिए क्योंकि वे भी प्रकृति के खिलाफ खदान के अंदर प्रवेश कर के कोयला का उत्खनन करते हैं, कोल इंडिया के कर्मचारियों की तरह उनके भी बाल बच्चे हैं, उनके लिए भी त्यौहार है फिर कोल इंडिया प्रबंधन एवं ट्रेड यूनियन को इतना भेदभाव नहीं करना चाहिए इस विषय पर गंभीरता से विचार कर कम से कम ठेका मजदूरों को भी भी 30 से 35000 रु बोनस मिलना चाहिए।

दैनिक विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर मंगलवार 01 अक्टूबर 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी कचरा प्रबंधन का ब्लू-प्रिंट

श्री तोखन साहू, केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्यमंत्री

हमारा देश अब स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) की दसवीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह एक परिवर्तनकारी दशकीय यात्रा रही है, जिसके बारे में विचार करने पर प्रभाव बेहद गहरे नजर आते हैं। एक ऐसा मिशन जिसने भारत में स्वच्छता और सफाई के नए पैमाने स्थापित कर एक नई परिभाषा गढ़ी है। 2 अक्टूबर 2014 को शुरू किया गया यह मिशन केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक आंदोलन था ङ्क हर एक नागरिक को स्वच्छ, स्वस्थ और 'विकसित भारत' में योगदान देने का आह्वान।

आज, एसबीएम ने अपना फोकस केवल शौचालयों के निर्माण और उन तक नागरिकों की पहुंच को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं रखा है, बल्कि इसमें विभिन्न समुदायों के लिए प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियां अपनाने के बारे में स्पष्ट रूप से मार्गदर्शन को भी शामिल किया है। यह बदलाव स्वच्छता के लिए जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देता है, सभी व्यक्तियों को अपने समाज की भलाई में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमारे प्रधानमंत्री ने इस पहल को आगे बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप भारत खुले में शौच से मुक्त हुआ और हमारे समुदायों में जनभागीदारी की अनोखी अलख जगी। शहरी क्षेत्रों में, एसबीएम ने अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण का नेतृत्व किया है। कुशल अपशिष्ट पृथक्करण प्रणालियों के कार्यान्वयन से लेकर अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना तक, देश भर के शहरों ने आज अभिनव समाधान अपनाए हैं, जो कि वर्ष 2014-2024 के बीच हमारे माननीय प्रधानमंत्री कुशल मार्गदर्शन में दूरदर्शी नेतृत्व और अथक प्रयासों से ही संभव हुआ है। स्वच्छ सर्वेक्षण के रूप में एक वार्षिक स्वच्छता सर्वे की शुरूआत हुई, जिसने शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया। इसने शहरों को सफाई और स्वच्छता संबंधी मानकों का स्तर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया है, साथ ही स्वच्छता को स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ा है। स्वच्छ भारत मिशन के मूल में समाज के हर वर्ग और समुदायों की सक्रिय भागीदारी है। स्कूली बच्चों से लेकर महिला समूहों तक, सभी नागरिक स्वच्छता के प्रहारी बन गए हैं। राज्य सरकारों ने स्थानीय स्तर पर राष्ट्रीय नीतियों को लागू किया है और स्वच्छता को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश स्थापित किए हैं। उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों और अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ शहरों में विशिष्ट स्वच्छता संबंधी रणनीतियां तैयार की हैं। साथ ही, नगरपालिका कर्मचारियों और सफ़ाई कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता निर्माण में भी निवेश किया गया है। राज्यों ने निरंतर प्रगति को ट्रैक करने और उसके आवश्यक समायोजन के लिए मजबूत निगरानी और मूल्यांकन तंत्र के साथ स्तर को बेहतर बनाया है, और स्वच्छ सर्वेक्षण का एक उपकरण के रूप में उपयोग किया है। विभिन्न क्षेत्रों के साथ सहयोग करके, मिशन ने स्थानीय निकायों, गैर सरकारी संगठनों और नागरिकों को एक साझा लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करने के लिए सशक्त बनाया है। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पर जोर देने के साथ-साथ संसाधन जुटाने और तकनीकी क्षेत्र में इनोवेशन प्रोसेस को आसान बनाया गया है, जिससे स्वच्छता संबंधी समाधान अधिक सुलभ और स्थायी बन गए हैं। इसके अतिरिक्त, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर जैसी पहल हमारे स्वच्छता नायकों को स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान करती हैं और उनको मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाती हैं, जो सामुदायिक स्वास्थ्य की दिशा में भी मिशन के व्यापक दृष्टिकोण पर जोर देती हैं। यह सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण है कि स्वच्छता सेवाएं, समाज के बेहद पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए भी समावेशी एवं न्यायसंगत हों और एसबीएम ने यह काम सफलतापूर्वक किया है। इसी तरह के उदाहरणों में से एक है, जिसे मैंने भी करीब से देखा है और यह छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में हुआ है। एक विकेंद्रीकृत अपशिष्ट प्रबंधन योजना के साथ लगभग 200,000 निवासियों वाले इस शहर ने लैंडफिल पर जाने वाले कचरे को प्रभावी रूप से घटाने का काम किया है और स्रोत पर ही इसके लिए विशेष प्रबंध किया गया है, जिसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी प्राप्त हुई है। इस सफलता का एक प्रमुख हिस्सा 470 सफाईकर्मियों का एक समर्पित समूह है, जो शहर में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक प्रशिक्षित सजग महिलाओं का एक समूह है। उनके प्रयासों से अंबिकापुर नगर पालिका को न केवल राजस्व अर्जित करने में सफलता मिली है, बल्कि उस राजस्व को पुन: सामुदायिक सेवाओं में निवेश करने में भी मदद मिली है, जिससे समावेशी रणनीतियों के सामाजिक-आर्थिक लाभ भी दिखाई दिए हैं।अंबिकापुर में महिलाएं कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया को संचालित करती हैं - संग्रह और पृथक्करण से लेकर प्रसंस्करण तक - वे कचरे को दायित्व के बजाय संसाधन के रूप में देखती हैं। यह मानसिकता रीसाइक्लिंग और मैटेरियल रिकवरी को प्रोत्साहित करती है, जिससे कचरा चक्र में आने वाले लूप प्रभावी रूप से बंद हो जाते हैं। समुदाय को जिम्मेदार कचरा निपटारे के बारे में शिक्षित करके, वे पर्यावरण रखरखाव में सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देते हैं, आर्थिक अवसरों को खोलते हैं और स्थायी अभ्यासों को आगे बढ़ाते हैं।

अहिंसा में निहित है विश्व की समस्याओं का समाधान अहिंसा:विश्व धर्म

■ अहिंसा सिद्धांत को गांधी जी ने जनांदोलन बनाया

-मुनि श्री अक्षयसागरजी महाराज

भारत एक धर्म प्रधान देश है। जिस तरह कुशल माली सुन्दर गुलदस्ता बनाते समय रंग-बिरंगे फूलों के द्वारा मनमोहक बनाता है। वैसे भारत में कई धर्म, जाति, सम्प्रदाय, पंथ आदि का यह गुलदस्ता हैं। गुलदस्ता का हर फूल धर्म, जाति, समाज, नागरिक है। तो अहिंसा उसकी गन्ध है। गन्ध अपने में ही रहे, यह तो नहीं हो सकता। उसे हवा में बिखर कर ही रहना है। वह दूर तक फैल जाती है। वैसे ही भारत की अहिंसा की गन्ध पूरे विश्व में बिखर गयी। इसी के कारण 2 अक्टूबर 'अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिन' के रुप में महात्मा गांधीजी के जन्म दिवस के दिन को 'संयुक्त राष्ट्र संघ' ने घोषित किया है।

अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस : तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा सिद्धांत को गांधी जी ने जनांदोलन बनाया और देश को अंग्रेजी दासता से मुक्ति दिलाई। इसलिए गांधी जी के जन्म दिवस 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अंहिसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। 15 जून 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में 2 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस स्थापित करने के लिए मतदान हुआ।महासभा में सभी सदस्यों ने 2 अक्टूबर को इस रूप में स्वीकार किया। अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस का उद्देश्य हमारी दुनिया में शांति, न्याय और स्थिरता को बढ़ावा देने में अहिंसा की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करना है।

अहिंसा सबसे बड़ा शस्त्र : गांधी जी मानते थे कि सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलकर सब कुछ हासिल किया जा सकता है। महात्मा गांधी एक ऐसे व्यक्तित्व थे ,जिनके विचारों ने पूरी दुनिया को शान्ति ,सद्भाव और अहिंसा का पाठ पढ़ाया 7 विश्व में ऐसे कई महान लोग हुए जो गांधीजी के विचारों से बेहद प्रभावित हुए। समाज की भावनाओं का आदर करते हुए भारत के आदर्श समाज की कल्पना करने वाले समाज सुधारक, राष्ट्रचिंतक एवं दार्शनिक महात्मा गाँधी जी के लिये अहिंसा सबसे बड़ा शस्त्र था। गाँधी जी के अनुसार-अहिंसा वो मुख्य तत्व है जिसने सम्पूर्ण मानवता को प्रेम और आत्मशुद्धी की सहायता से कठिन से कठिन संकटों में सफलता पाने का संदेश दिया है।

आध्यात्मिक शक्ति की प्रतीक अहिंसा : गाँधी जी अहिंसा को सर्वोच्च नैतिक और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक मानते थे। उनके अनुसार तो अहिंसा केवल दर्शन नही है बल्की कार्य करने की पद्धति है, ह्रदय परिवर्तन का साधन है। गाँधी जी ने तो अहिंसा की भावना को सामाजिक, धार्मिक तथा आर्थिक तीनों क्षेत्रों के लिये आवश्यक तत्व माना है। अहिंसा पर गांधी जी ने बड़ा सूक्ष्म विचार किया है। वे लिखते हैं, अहिंसा की परिभाषा बड़ी कठिन है। अमुक काम हिंसा है या अहिंसा यह सवाल मेरे मन में कई बार उठा है। मैं समझता हूँ कि मन, वचन और शरीर से किसी को भी दु:ख न पहुंचाना अहिंसा है। लेकिन इस पर अमल करना, देहधारी के लिए असंभव है।

सभी धर्मों का आधार अहिंसा : अहिंसा को जैन, हिन्दू,बौद्ध, व अन्य धर्मों में मानवीय क्रियाओं का आधार माना गया है। अहिंसा की शिक्षा तो भारतीय संस्कृति की पहचान है। उपनिषदों में भी अहिंसा को विशेष महत्व दिया गया है। जैन धर्म में अहिंसा परमो धर्म: के रूप में एक महान धर्म माना गया है। अहिंसा की सबसे सूक्ष्म विवेचना जैनधर्म में कई गयी है। गांधी जी ने भी अहिंसा के रास्ते पर चलकर देश को स्वतंत्रता दिलाने में अपनी अहम भूमिका का निर्वाह किया।

जगतमें जितने भी तीर्थंकर, परमात्मा, ईश्वर, ऋषि-मुनि, महंत,महात्मा, माऊली, मौलवी आदि जितने भी संत साधू होकर गये, इन सभी ने यही बताया कि - अहिंसा परमो धर्म:, जीवाणं रक्खणं धम्मो।।

- जीवों की रक्षा करना ही धर्म है (धर्मस्य मूलं दया...)

अहिंसा का सामान्य अर्थ है 'हिंसा न करना'। इसका व्यापक अर्थ है - किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान न पहुँचाना। मन मे किसी का अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वार भी नुकसान न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में, किसी भी प्राणी कि हिंसा न करना, यह अहिंसा है।

नींव के बिना भवन खडा हो नही सकता, जड़ के बिना वृक्ष खड़ा रह नही सकता है। जिस वृक्ष की जड़े मजबूत होती है, वृक्ष उतना ही विकसित होता है और बादल के बिना बारिश नहीं हो सकती वैसे ही 'अहिंसा' के बिना जीवन विकसित नहीं हो सकता।

दु:ख का मूल कारण हिंसा : ऋषि-मुनियों ने दु:ख का मूल कारण हिंसा बताया है -हिंसैव दुर्गतेर्द्वारं हि सैव दुरितार्णव:। हिंसैव नरकं घोरं हिंसैव गहनं तम।। हिंसा दुर्गतिका द्वार है। हिंसा पाप का समुद्र है। हिंसा घोर नरक है और हिंसा महा अंधकार है।

हिंसा प्रसूतानि सर्वदु:खानि ।

जिस तरह माता बालक को जन्म देती है। वैसे समस्त दु:ख को जन्म देनेवाली हिंसा है। अहिंसा की महानता को किसी जाति, धर्म और सम्प्रदाय या किसी विशेष व्यक्ति नाम के साथ अथवा देश और काल की सीमाओं से जकड़ा नही जा सकता। 'अहिंसा विश्व धर्म' है याने प्राणी मात्र का धर्म है। जिस प्रकार घाट पर जाकर पानी पीने से सभी प्राणी की प्यास बुझती है उसी प्रकार अहिंसा धर्म में भी वही शक्ति है। जो आत्मा इसे धारण करेगी वही आत्मा परमात्मा बन सकती हैं।

अहिंसा से जीवन शुद्धि : अहिंसा से जीवन शुद्धी होती है। अहिंसा से ही आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। धर्म का सारा ढांचा अहिंसा पर आधारित है। इसलिए कहा जाता है कि, धर्म का प्रमुख तत्व 'अहिंसा' है। अहिंसा कहां है? - 'आत्मवत्सर्वभूतेषु'।

जैसी मेरी आत्मा है। वैसे प्रत्येक संसारी जीवों की आत्मा है। जिसको यह समझ में आया, उसने अहिंसा को समझ लिया। जिस प्रकार का व्यवहार हम नही चाहते हैं कि दूसरे हमारे प्रति करे, वैसा व्यवहार हम भी उनके प्रति न करे। इसे धर्म कहते हैं।

कई लोग अपना परिचय देते समय जैन, हिन्दु, वैष्णव, इस्लाम, बौद्ध, सिख आदि कहकर धर्म की ,सम्प्रदायों की दीवारें/सीमाएं खीच देते हैं। इसलिए भगवान महावीरादि तीर्थंकरोंने कहा कि, धर्म उसको कहना 'आत्मवत्-सर्वभूतेषु।' 'जिओ और जीने दो' - हमें जीने की इच्छा है, वैसे समाने वाले को भी जीने की इच्छा है।

मांस को कृषि दर्जा देना संस्कृति का अपमान : मांस उत्पादन मामले में 'कृषि' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है। मांस को कृषि दर्जा देकर संस्कृति को बड़ा धोका दे रहे हैं। बूचड़खाने खेत नहीं है। भारत सरकारने उन्हें कृषि के अन्तर्गत रख कर 'वधिक' और 'कृषक' दोनों को एक दर्जा देकर घोर अन्याय कर रही है, हमारे देश की अहिंसा, शांति, दया आदि शक्तियाँ क्षीण की जा रही हैं।

इसी कारण प्राकृतिक आपदायें बढ़ती जा रही हैं। सुजडल (रुसा में पिछले दिनों भूस्खलन और प्राकृतिक आपदा पर हुए एक सम्मेलन में भारत से गए तीन वैज्ञानिकों ने एक शोधपत्र पढ़ा। डॉ. मदन मोहन बजाज, डॉ. इब्राहीम और डॉ. विजयरजसिंह के तैयार किए शोधपत्र के आधार पर कहा कि - भारत में पिछले दिनो आए तीन बड़े भूकंपो में आइस्टीन पैन वेब्ज (इपीडब्ल्यू) या नोटीप्शन वेब्ज कारण रही है। कत्लखानों में जब जानवरों को काटा जाता है, उसके पहले कई दिनों तक उनको भूखा रखा जाता है और कमजोर किया जाता है। फिर उसके ऊपर 70 डिग्री सेंटीग्रेट गर्म पानी की बौछार डाली जाती है। उससे उनका शरीर फूलना शुरू हो जाता है। तब गाय और भैंस तडपने और चिल्लाने लगते हैं, तब जीवित स्थिति में उनकी खाल को उतारा जाता है और खून को भी इकट्ठा किया जाता है। फिर धीरे धीरे गर्दन काटी जाती है। दुनिया के करीब 50 लाख छोटे बड़े कत्लखानों में प्रतिदिन 50 लाख करोडमेगावॅट की मारक क्षमतावाली शोक तरंगे या इपीडब्ल्यू पैदा होती है। उन पशुओंकी अव्यक्त कराह, फरफराहट, तडप वातावरण में भय, चिंता और कतल होते समय उनकी जो चीत्कार निकलती है, उनके शरीर से जो स्ट्रेस हारमोन निकलते हैं और उनकी जो शोक वेब निकलती है वो पूरी दुनिया को तरंगित कर देती है, कम्पायमान कर देती है। उत्सीसे प्राकृतिक उत्पात जैसे अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़, भूकंप, पानी का स्तर नीचे जाना, ज्वालामुखी के विस्फोट जैसे संकट आते हैं। इस अध्ययन के मुताबिक एक कत्लखाने से जिस में औसतन पचास जानवरों को मारा जाता है 1040 मेगावॅट ऊर्जा फैलनेवाली इपीडब्ल्यू पैदा होती है। इसीसे विस्फोटमय वातावरण बनता हैं। आधुनिक विज्ञान ने ये सिद्ध किया है कि, मरते समय जानवर हो या इन्सान अगर उसको क्रूरता से मारा जाता है तो उसके शरीर से निकलनेवाली जो चीख-पुकार है उसकी वायब्रेशन में जो निगेटीव वेब्ज (ऊर्जा) निकलती हैं वो पूरे वातावरण को बुरी तरह से प्रभावित करती है और उससे सभी मनुष्यों पर नकारात्मक प्रभाव पडता है, इससे मनुष्य में हिंसा करने

की प्रवृत्ति बढ़ती है जो अत्याचार और पाप पूरी दुनिया में बढ़ा रही है।

हिंसा से प्राकृतिक सन्तुलन बिगड़ा : हिंसा से प्राकृतिक सन्तुलन गड़बड़ा रहा है। समुद्र से मछली और अन्य जीव पकड़कर खाने से समुद्र के नीचे की जमीन का संतुलन डावाडोल होता जा रहा है। इंडोनेशिया में जब सुनामी लहर उठी तो जपान, चीन, इंडोनेशिया और मलेशिया को पार करती हुई भारत के पूर्व तट तक घुस गई। सुनामी के इस तुफान में कई संख्यामें आदमी मरे, जीव जंतु नहीं।

भूमि हिंसा - कीटनाशक और रासायनिक खाद्य का प्रयोग करने से सब्जी फल और अनाज के द्वारा शरीर में विषाक्त पदार्थों के कारण धड़कन कम होना, आंतों में दुष्प्रभाव याददाश्त कम होना तत्काल प्रभाव सामने आते हैं इसके लगातार प्रयोग से कैंसर जैसी घातक बीमारी हो सकती है और प्रजनन पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं। देश में मांसाहार और व्यसनों के कारण देश का स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि शरीर देश की संपत्ति है। उसका सदुपयोग करना चाहिए, दुरुपयोग नही होना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संघटन (ङ्घ.॥.ह्र) के बुलेटिन में लिखा है, एकबार मांस खाने के बाद 160 प्रकार की बीमारियाँ उस व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर लेती हैं। एक अंश मांस पर 33 करोड किटाणू होते हैं। मांसाहारी की आयु कम होती है। इसके बारे में जॉन हरैद साहब स्र1ड्डठ्ठष्ड्ड ॥4द्बद्बद्गठ्ठद्ग में लिखते हैं।

भारत अहिंसा प्रधान देश हैं। जहां भगवान रामचन्द्र, महावीर आदि महान पुरुषोंने अहिंसा का संदेश देकर हम लोगों पर बहुत बड़ा उपकार किया और इस देश के अहिंसक भविष्य का निर्धारण किया लेकिन देश का दुर्भाग्य है कि जहाँ दूध की नदी बहती थी, उसी पवित्र वसुंधरा पर खून की नदी बहती जा रही हैं। कत्लखानों से खूनी सडान की बदबू से वातावरण दुर्गन्धित होता जा रहा है। अहिंसा इस जगत की व्यवस्था है जो किसी का नाश नहीं करना चाहती। जड़ता और जड़वाद से भी उसको बैर नहीं वह तो सबको अपना अपना स्थान बना देती है। इसीलिए ऋषि मुनियों ने वसुधैव कुटुंबकम् यह विश्व शांति का सूत्र दिया और बताया

आत्मन: प्रतिकूलानि परेषां न समाचरे

जिस प्रकार का व्यवहार हम नहीं चाहते कि दूसरे हमारे प्रति करें वैसा व्यवहार हम भी उनके प्रति ना करें।अहिंसा का मूल लक्ष्य विश्व शांति।

हिंसा प्रसूतानि सर्व दु:खानि।

अर्थात् - हिंसा ही समस्त संतापो और दु:ख को जन्म देती है।

मांस और शाक भोजन से शारीरिक हानि लाभ क्या क्या पहुंचते है? अब यह विचार करना है कि, इनसे मानसिक (Mental) और आत्मिक (Spiritnal हानि, लाभ क्या है? मनुश्य का उसकी मानसिक और आत्मिक उन्नति में बहुत बाधा डालता है। मांस आत्मा का सम्बन्ध अशुभ कर्म के परमाणुओं से कराता है।

मांसाहार - 'सप्तधातुसमाश्रितं मांस' जो सप्तधातु से युक्त कलेवर है उसको ही मांस कहते है। वनस्पति में सप्तधातु नहीं पाई जाती। अत: उसकी मांस संज्ञा नहीं हो सकती। यद्यपि बहुत लोग मांस, मछली और अण्डा भोजन के रुप में लेते है। लेकिन मानव शरीर की रचना मांसाहार के अनुकूल नहीं है - मनुष्य की आंतो में कई मोड होते है और वह चक्करदार होती है, अत: भोजन को आगे ढकलनेके लिए फल ओर सब्जी के खुज्जे और रेशे बहुत मदद करते है। मांस में रेशे न होने के कारण जटिल आंतों में वह बहुत कठिनाई से आगे खिसकता है जिससे भोजन जमाव हो जाता है। इससे विपरीत मांसाहारी पशुओं की आंते सीधे सपाट होती है। उसमें मांस को आगे ढकलने में खुज्जों और रेशों की जरुरत नहीं पडती है। मनुष्य के मुख में क्षारीय लार बनती है। जो कार्बोहाइड्रेटस को पचाता है। इस सम्बन्धों मे बडे मार्केकी बात है। हमारे मुंह का रस केवल उन्ही खाद्य पदार्थों को पचाने में मदद देता है। जो मानव समाज के लिए प्रकृति द्वारा निर्धारित है, वैसे- अन्न, शाक, फलादि मांस, चर्बी, अण्डा नहीं, मांस पचाने के लिए तेजाब की आवश्यकता होती है, मांसाहारी पशु-पक्षीयोंकी लार तेजाबी होती है मांसाहारी पशु-पक्षी पानी जिव्हा से पीते है, नूकीले दांत तथा पैने नाखून और दाँतो से बीच कुछ अन्तराल वाले होते है। शाकाहारी ओठोंसे पानी पीते है, चपटे नाखून और दाँत-दाढ़वाले होते है, सटे दांतोवाले होते है। मानव शाकाहारी है। शाकाहार - शा-शांति, का-कारक, हा-हानि, र-रहित। जो शांतिकारक और हानिरहित है वह शाकाहार। शाक-योग्य होना, समर्थ होना, शक्तिशाली होना, सहन करना। शाकाहार का शाब्दिक अर्थ - ऐसा आहार जो मनुष्य को बलवान, समर्थ और रोगो से लडने की क्षमता प्रदान करे। मनुष्य को जीवित रहने के लिए अल्प एवं सात्विक भोजन की आवश्यकता है। विटामिन, कॅल्शियम एवं फॉस्फरस से युक्त शाकाहार भोजन से ही मनुष्य अधिक स्वस्थ व प्रसन्न रह सकता है।मांसाहार स्वभाव पर बहुत बुरा प्रभाव- ईर्ष्या,द्वेष, क्रोध, चिड़चिड़ापन, उत्तेजना और हिंसक प्रवृत्ति के दैनंदिन विकास का प्रमुख कारण मांसाहार है, इससे अंदर क्रुरता का, अहंकार का विकास होता है। जिससे वह निकृष्ट क्रिया कलापों को करने पर भी उतारु हो जाता है। मांस और अण्डे में यूरिक ?सिड होती है। उसी से सिरदर्द, पागलपन, लकवा, गठिया, श्वास, अनिद्रा, मधुमेह, जलोदर, हिस्टीरिया, नेत्रविकार आदि रोग पैदा होते है।

महात्मा गांधी - मोहनदास करमचंद गांधी ने जैन साधु के पास मद्य, मांस और परस्त्री सेवन के त्याग का व्रत लिया था। गांधीजी के सुपुत्र बहुत बीमार थे डॉक्टर ने कहा 'मांस का सुप नहीं दिया तो यह जिन्दा नहीं रहेगा' ऐसा कहा । किन्तु गांधी जी ने कहा - 'चाहे जो परिणाम हो मांस का सुप नहीं देंगे।' उनका लडका बिना मांस के प्रयोग से ही बच गया ।

विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक 'अल्बर्ट आइन्स्टाईन - जब हम खुद मृत प्राणियों की जीती- जाती कब्र है, तब फिर हम इस दुनिया में किन्ही आदर्श स्थितियों की कल्पना कैसे कर सकते है।

हिन्सा से प्रकृतिका सन्तुलन गडबडा रहा है -

जहाँ सलाटस हाऊस है वहाँ मशीनों से लाखो जानवर रोज कटते है। उनकी चीख से आसपास की धरती के भीतर का तापक्रम बढता है। जब वह तापक्रम बहुत उच्च हो जाता है तो वह धरा को फाडकर बाहर आ जाता है। जिससे धरती हिलने लगती है। ज्वालामुखी, भूकंप, पर्यावरण दूषित होना, इत्यादि।

समुद्र से मछली और अन्य जीव पकडकर खाने से समुद्र के नीचे की जमीन का संतुलन डावाडोल हो गया । इंडोनेशिया में समुद्र से सुनामी लहर उठी जो जापान, चीन, इंडोनिशया और मलेशिया को पार करती हुई भारत के पूर्वी तट पर घुस गई । सुनामी के इस तुफान मे आदमी मरे है, जीव जन्तु नहीं।

भूमि हिंसा - जहरीली रासायनिक खाद्य, रासायनिक कीटनाशक, प्लास्टिक, पॉलीथिन आदि का उपयोग भूमिकी उर्वरा शक्ति को नष्ट कर देता है। विषैली गैसों कारखानों से, वाहनों से निकलने वाला धुआं हवा में जहर घोल रहा है इससे खेती बंजर होती जा रही है, वर्षा कम हो रही है, उत्पादन कम होता जा रहा है। कारखानों, वाहनों से निकलने वाला धुंआ हवा में जहर घोल रहा है।

अहिंसा ही धर्मात्मा की पहचान - विश्व में जितने भी मानव है वे किसी न किसीधर्म, संपद्राय, मजहब के नामसे अपने आराध्य की उपासना करते है। लेकिन धर्म का प्रारंभ दया से ही होता है। दया के बिना संसार में कौनसा भी समुदाय धर्म संज्ञा प्राप्त हो ही नहीं सकता। आज पुरे विश्व में 'अहिंसा दिन' मनाया जा रहा है। लेकिन यह अहिंसादिन कब होगा? इसके लिए विश्वकल्याण की भावना से ओतप्रोत होते हुए। सर्वोदयी जैनाचार्य श्री विद्यासागर जी हायकू लिखते है - ''मेरी आत्मा हैं, औरों से आत्मीयता, मेरी श्वास है।'' इसी तरह विश्व के हर मानव भी ऐसा व्यवहार आपके लिए अच्छा नहीं लगता । वह व्यवहार दुसरेसे न करें। इसी भावना के साथ विश्व शांन्ति कल्याण भावना के साथ -

सुखी रहें सब जीव जगत के, कोई कभी न घबरावे
बैर-पाप अभिमान छोड़ जग, नित्य नये मंगल गावे

-प.पू. मुनिश्री 108 अक्षयसागरजी महाराज

प्रेषक : डॉ सुनील जैन संचय , ललितपुर

किसानों की आय वृद्धि में सहायक एग्री इंफा फंड.....

■ एग्री इंफ्रा फंड से बदल रहा किसानों का जीवन

शिवराज सिंह चौहान

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का किसानों के प्रति गहरा प्रेम और संवेदनशीलता, उनके द्वारा लिए गए निर्णय, नीतियों और योजनाओं में स्पष्ट नजर आती है। अन्नदाताओं का जीवन बदलना ही उनका प्रथम लक्ष्य है और संकल्प भी। यही कारण है कि सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में कृषि और किसान सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहे द्य उनके नेतृत्व में, सरकार किसानों के सशक्तीकरण और कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) जैसी नीतियों में स्पष्ट रूप से झलकता है। भारत में फसल के बाद होने वाले नुकसान एक बड़ी चुनौती हैं, जो कृषि क्षेत्र की क्षमता और लाखों किसानों की कड़ी मेहनत को प्रभावित कर रहे हैं। हाल के अनुमानों के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष इसके कुल खाद्य उत्पादन का लगभग 16-18त्न नष्ट हो जाता है द्य ये नुकसान कटाई, थ्रेसिंग, भंडारण, परिवहन और प्रसंस्करण सहित विभिन्न चरणों के दौरान होते हैं। उचित भंडारण की कमी, कोल्ड चेन और अपर्याप्त प्रसंस्करण इकाइयाँ, कुशल लॉजिस्टिक्स का आभाव इन बड़े नुकसानों में योगदान करते हैं, जिससे देश की समग्र खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए इन्हे मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार नए सिरे से काम कर रही है प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए नवाचार के नित नये उपाय किये जा रहे हैं। वैज्ञानिकों के शोध को लैब से लैंड तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है, जिससे किसानों की उत्पादन की लागत घटे और फायदा ज्यादा हो। प्रधानमंत्री जी दूरदृष्टा हैं जिनके द्वारा जुलाई 2020 में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में एग्री इंफ्रा फंड (एआईएफ) की शुरुआत की गई थी। इसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने और खाद्यान्न की बर्बादी को कम करने के लिए कृषि परिसंपत्तियों के माध्यम से फसलोपरांत प्रबंधन परियोजनाओं और नए युग की तकनीकों को बढ़ावा देकर इन चुनौतियों का समाधान करना है। एआईएफ के तहत, बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा 3त्न प्रति वर्ष की ब्याज छूट और सीजीटीएमएसई के तहत 2 करोड़ रुपये तक के ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी कवरेज के साथ ऋण के रूप में 1 लाख करोड़ रुपए प्रदान किए जाएंगे। इस पहल के माध्यम से सरकार का उद्देश्य न केवल उपज की गुणवत्ता और मात्रा को संरक्षित करना है, बल्कि किसानों को बाजारों तक अधिक कुशलता से पहुँचने में सक्षम बनाना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व के परिणामस्वरूप अगस्त 2024 तक योजना के लाभ के लिए पात्र 35,747 करोड़ रुपये सहित इस योजना के तहत स्वीकृत राशि 47,500 करोड़ रुपये को पार कर चुकी है और 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का वितरण हो चुका है। उल्लेखनीय रूप से, स्वीकृत परियोजनाओं में से 54त्न योजनाएं किसानों, सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं, जो प्रधानमंत्री

जी की प्राथमिकता के अनुरूप खेत-स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में किसानों की मजबूत भागीदारी को प्रदर्शित करती हैं। कृषि उपज का फसलोपरांत नुकसान का समाधान हो सके, इस दिशा में प्रधानमंत्री मोदी जी अत्यंत गंभीर है। उन्होंने भंडारण (ड्राई और कोल्ड), परिवहन आदि में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्राथमिकता दी है, ताकि किसानों को फसल नुकसान से बचाया जा सके। शुष्क भंडारण के संदर्भ में, खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में भारत में 1740 लाख मीट्रिक टन क्षमता के स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है और वर्तमान में भारत में कुल अनाज उत्पादन की भंडारण क्षमता 44त्न है, जो बहुत ही कम है। इसी प्रकार बागवानी उत्पादों के लिए, भारत में लगभग 441.9 लाख मीट्रिक टन भंडारण की कोल्ड चेन क्षमता है जो देश में फलों और सब्जियों के उत्पादन का केवल 15.72त्न है। इन पूर्ण परियोजनाओं ने क्षेत्र की भंडारण क्षमता में लगभग 500 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि की है। परिणामस्वरूप, नई शुष्क भंडारण सुविधाएं प्रति वर्ष 18.6 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का संरक्षण कर रही हैं, जिससे लगभग 5,700 करोड़ रुपये की बचत हो रही है। साथ ही, प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में उचित कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं के विकास से बागवानी उत्पादों के नुकसान में 10त्न की कमी आई है, जिससे फसलोपरांत 3.5 लाख मीट्रिक टन उपज सुरक्षित हो रही है और हर साल लगभग 1,250 करोड़ रुपये की बचत हो रही है। प्रधानमंत्री जी का कृषि क्षेत्र और किसानों के प्रति यह समर्पण न केवल उनके आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में, एआईएफ से कृषि अवसंरचनाओं के विकास को नई गति मिली है। अगस्त 2024 तक, एआईएफ के तहत देश भर में एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित 74,695 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन इंफ्रास्ट्रक्चर में 18,508 कस्टम हायरिंग सेंटर, 16,238 प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र, 13,702 गोदाम, 3,095 छंटाई और ग्रेडिंग इकाइयां, 1901 कोल्ड स्टोर और कोल्ड चेन और 21,251 अन्य प्रकार के एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। 74,695 परियोजनाओं की मंजूरी से कृषि क्षेत्र में कुल 78,702 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है, जो एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्राथमिकता दी है, बल्कि युवाओं और किसानों के बीच उद्यमशीलता को भी प्रोत्साहित किया है, जिससे लगभग 50,000 नए कृषि उद्यम स्थापित हुए हैं। सरकार के प्रयासों से युवा भी कृषि की और आकर्षित हो रहे हैं, जो कि कृषि के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/धर्म समाज/देश
रायपुर, मंगलवार 01 अक्टूबर 2024
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज का पट्टाचार्य प्रतिष्ठा संस्कार महोत्सव कार्यक्रम 30 अप्रैल 2025 को सुमति धाम इंदौर में

नांदणी/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। नांदणी (महाराष्ट्र) में शुक्रवार दिनांक 27 सितम्बर 2024 को इंदौर नगर के महादानी सुमति धाम के न्यासी सपना मनीष गोधा गुरु भक्त परिवार द्वारा, श्रुत संवेगी श्रमण मुनि सुव्रत सागर जी के निर्देशन में एक भव्य मीटिंग आयोजित की गई।

धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस मीटिंग में देश के विविध राज्यों के अनेक गुरु - भक्तों ने सहभागिता की । मीटिंग के अन्तर्गत प्रमुख संयोजक मनीष जी श्री मति सपना गोधा जी ने जानकारी दी की आयोजन

27 अप्रैल से 2 मई2025 तक तीर्थ स्वरूप सुमति धाम, जिनालय इन्दौर (म.प्र.) में समाधिस्थ गणाचार्य 108 श्री विरागसागर जी गुरुदेव के अंतिम उपदेशानुसार, आचार्य श्री विशुद्धसागर जी का प्रतिष्ठा संस्कार सम्पन्न होगा। रविवार 27 अप्रेल, 2025 को सम्पूर्ण संघों का एक साथ सुमति धाम में प्रवेश होगा। इस आयोजन में लगभग 500 संत-साध्वियाँ तथा 300 त्यागी-वृति सम्मिलित होंगे। 30 अप्रैल, अक्षय तृतीया के दिन पट्टाचार्य-पदारोहण के संस्कार होंगे प्रात: काल में श्रमण संस्कृति के समाधिष्ट गणाचार्य श्री विरागसागर जी की जन्म जयंती 2 मंई को बड़ी धूमधाम से मनाई जाएगी।

यह आयोजन एक विशाल रूप में लगभग 65 एकड़ में सम्पन्न होगा।

-अभिषेक अशोक पाटील

मोराडीह सालेकेरा सड़क हुआ जर्जर, बारिश में सड़क धस रहा

जशपुर (विश्व परिवार)। आरा पंचायत के मोराडीह सालेकेरा सड़क कि सालों बाद भी कोई सुधार नही हुआ बल्कि सड़कों कि हालत और ख़राब हो रहीं हैं. जर्जर सड़क में आवागम में भारी दिक्क़त हो रहीं हैं. ख़राब सड़क कि मार ग्रामीण लम्बे समय से झेल रहें हैं. लोग जर्जर सड़क पर अवागमन के लिए मजबूर हैं. यहीं से अधिकारी, कर्मचारी गुजर रहें पर किसी कोई परवाह नहीं हैं. बरसात में सड़क का बुरा हाल है अंदर कि मिट्टी धस रहीं हैं जो हादसे कों आमंत्रित कर रहीं हैं. यह एक मात्र ऐसा सड़क है जो एक पंचायत के अंतर्गत 4 गांव को जोड़ती है जिसकी हालत बहुत ख़राब है, बरसात के दिनो में इस सड़क से गुजरना बहुत ही जोखिम भरा है, ग्रामीणों का कहना है कि गांव के पंच सरपंच और नेताओं को इस सड़क को बनवाने के लिए अर्जी देते देते थक गए किंतु किसी ने संज्ञान नही लिया। यह सड़क एक तरफ से दूसरी तरफ तक एकदम खोखला हो चुका है। कभी भी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है।

जिसके हृदय में भगवान की भक्ति प्रकट हो जाती है, उसके मन के सभी संकल्प विकल्प शांत हो जाते हैं : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। जिसके हृदय में भगवान की भक्ति प्रकट हो जाती है, उसके मन के सभी संकल्प विकल्प शांत हो जाते हैं, लेकिन जहां संकल्प विकल्पों के मगरमच्छ होते है वह कभी भव सागर को तो छोड़ो एक नदी भी पार नहीं कर सकता है। उपरोक्त उद्गार संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने आचार्य मानतुंगाचार्य द्वारा रचित भक्तामर स्त्रोत्र की व्याख्या करते हुये प्रकट किये।उन्होंने उदाहरण देते हुये कहा कि एक पंडित जी थे वह रोज कथा सुनाते थे कथा सुनाने से पहले वह रोज दूध पीते थे एक ग्वालिन रोजाना उनको दूध दैने आती थी बरसात का समय था नदी में पानी का प्रवाह होंने के कारण रोज लेट हो जाती थी पंडित जी उसे डांटते वह सहजता में उनसे क्षमा मांग लेती एक दिन फिर उसे दूध लाने में विलम्ब हुआ तो वह चुपचाप आकर बैठ गयी पंडित जी की कथा चल रही थी उसने सुना कि भगवान का नाम लैने बाला भवसागर से पार हो जाता है जिसका नाम लैने से भवसागर से पार हो जाता है तो क्या में इस नदी को पार नहीं कर पाउंगी, और वह दूसरे दिन जब नदी चड़ाव पर थी तो उसने भगवान का नाम लिया और नदी के ऊपर ऐसे चल दी जैसे सड़क पर चल रही हो और समय से पूर्व वह पंडित जी के पास पहुंच गई तब पंडित जी ने उससे पूंछा तो उसने जो सच था बह बता दिया कि कल आपने ही तो कहा था कि भगवान का नाम लेंने से भवसागर से पार हो जाता है, तो यह तो एक नदी ही हे मेंने भगवान का नाम लिया और पार आ गयी पंडित जी को बड़ा आश्चर्य हुआ और विश्वास नही हुआ और बह उस ग्वालिन के साथ नदी पार करने पहुंचे तो ग्वालिन तो भगवान का नाम लेकर पार हो गयी और पंडित जी ने जैसे ही नदी में कदम रखा तो गप्प से बह डुव गये। मुनि श्री ने कहा कि भक्ति के अंदर विशेष शक्ती सहजता सरलता और निश्चलता से प्रकट होती है। जिसके हृदय मेंभक्ति होती है, उसके मन में सभी विकल्पों से शांती मिल जाती है मुनि श्री ने कहा कि आचार्य मानतुंगाचार्य ने भक्तामर के तृतीय और चतुर्थ काव्य में चंद्रमा के प्रतिविम्ब को पकड़ने की वाल चेष्टा कही है वहीं दूसरी ओर लहराते हुये सागर को बाहु के बल से पार करने का प्रयास किया है जंहा पहला प्रयत्न बचकाना है, तो दूसरा प्रयत्न दुस्साहसी है यंहा पर आचार्य श्री कहते है कि में आपका भक्त हूं आपकी भक्ति करने के लिये तत्पर हूं मुझे नहीं मालुम कि मेरी सामर्थ क्या है, लेकिन जिसके हृदय में भक्ति होती है उसके अंदर आपकी ही शक्ती होती है में आपको देखता हूं तो मुझे धरती पर ही आप चांद के रुप में नजर आते हो, आसमान के चांद को भले में नहीं छू सकता लेकिन धरती के इस चांद को छूने की सामर्थ मेरे अंदर है जल में उभरने बाला आपका प्रतिविम्ब तो जल के चंचल होते ही विगड़ सकता है, लेकिन आप तो मेरे हृदय के सागर में उमड़े हो में जितनी भक्ति करता हूं उतनी उतनी मुझमें स्थिरता आती जाती है। मुनि श्री ने कहा कि भक्ति की प्रगाढ़ता विकल्पों को शांत करती है जैसे चंचल जल में चंद्रमा का प्रतिविम्ब नजर नही आता उसी प्रकार चंचल मन में कभी भक्ति संभव नही, मन में स्थिरता होगी तभी भक्ति अखंडित होगी उपरोक्त जानकारी प्रवक्ता अविनाश जैन एवं मीडिया प्रभारी राहुल जैन ने देते हुये बताया आगामी 4-5- 6अक्टूबर शनिवार रविवार एवं सोमवार को मुनिसंघ का प्रवास गौम्मटगिरी की ओर रहेगा एवं विशेष कार्यक्रम आयोजित किये जाऐंगे।धर्म प्रभावना समिति के अशोक डोसी, महोत्सव अध्यक्ष नवीन आनंद गोधा महामंत्री हर्ष जैन ने समस्त बंधुओं से उपरोक्त कार्यक्रम में सहभागिता कर धर्म लाभ लेंने की अपील की है।

-अविनाश जैन

संक्षिप्त समाचार

डायमंड जुबली समारोह में चेतन तारवानी हुए सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। जेसीआई इंडिया के द्वारा जेसीआई संस्था के भारत में गठन के पूरे 75 वर्ष होने पर कलकत्ता में डायमंड जुबली सेलिब्रेशन आयोजित किया गया इस आयोजन में रायपुर के सीए चेतन तारवानी को जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं मण्डल 9 में मण्डल अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाये देने के उपलक्ष्य में सम्मानित किया गया यह सम्मान जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश शर्मा द्वारा सम्मेलन में किया गया सीए चेतन तारवानी वर्ष 2009 में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं वर्ष 2005 में मण्डल 9 जिसमे छतीसगढ़ उड़ीसा मधप्रदेश का महाकौशल और महाराष्ट्र का नागपुर के मंडल अध्यक्ष के रूप में पदाधिकारी थे सम्मान के बाद जेसीआई रायपुर मेट्रो के पदाधिकारियों ने बधाईया प्रेषित कीं।

जैन कंप्यूटर एजुकेशन का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत

डोंगरगढ़ (विश्व परिवार)। जैन कंप्यूटर एजुकेशन रेल्वे चौक डोंगरगढ़ के DCA का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा, जिसमे घनेंद्र कुमार सारले पिता श्री मंगल दास सारले ने 79.11 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, कु. अदिति शेंडे पिता श्री संजय कुमार शेंडे ने 78.51 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं निकिता पिता श्री भागीरथी वर्मा ने 78.07 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। विद्यार्थियों कि इस सफलता के लिये जैन कंप्यूटर एजुकेशन के संचालक श्री निशांत जैन ने सभी छात्र ङ्क छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनायें दी एवं उनके उज्जवल भविष्य कि कामना की। उन्होंने बताया कि यह संस्था 2012 से संचालित है जिसमे डोंगरगढ़ शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के बहुत से विद्यार्थी कंप्यूटर कि शिक्षा प्राप्त करने आते हैं एवं ऑनलाइन माध्यम से अन्य राज्य के एवं फूल टाइम जॉब करने वाले भी बहुत से विद्यार्थी कंप्यूटर कि शिक्षा प्राप्त करते हैं। कंप्यूटर साक्षरता अभियान चलाकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगो को कम मूल्य में उच्च स्तर कि कंप्यूटर शिक्षा प्रदान कि जाती है। बारहवी एवं ग्रेजुएशन में डिसटिंकशन अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी फीस में विशेष छूट प्रदान कि जाती है। जो विद्यार्थी कंप्यूटर सिखने के बाद जॉब करना चाहते हैं उन्हें भी जॉब असिस्टेंस कि सुविधा दी जाती है जिससे वे आत्मनिर्भर बन सके।

सकल दिगम्बर जैन समाज के सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम में सामाजिक एकजुटता के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिस्पर्धा नहीं धर्म प्रभावना दिखी

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री नागपुर प्रांतीय दिगम्बर जैन खंडेलवाल सभा के रायपुर के संयोजक एवं पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज अरविन्द जैन ने रायपुर स्थित दिगम्बर जैन समाज के सभी मंदिरों के सदस्यों के साथ 29 सितम्बर 2024 रविवार को एस. एन. पैलेस सेरिखेड़ी मे आयोजित सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए, सामाजिक एकता व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सफलता का पूरा श्रेय संत शिरोमणि आचार्य गुरुवर 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य, आगमानुसार जीवन जीने वाले आदरणीय ब्रह्मचारी सुनील भैया जी को दिया, रायपुर समाज को परस्पर एक बैनर के नीचे लाने व सामूहिक क्षमावाणी कार्यक्रम करने का विचार उनके हृदय मे था और उन्होंने सभी मंदिरों के अध्यक्ष एवं समाज को संगठित देखने का विचार रखने वाले श्रावकों के सहयोग से अंजाम तक पंहुचाया, समाज जब संगठित रहती है तो परिवार, समाज व देश के विकास मे अपना महती योगदान देकर अपने मानव जीवन का एक कर्तव्य का निर्वहन करने मे सक्षम होती है।

कल आयोजित कार्यक्रम को देखकर ?सा लगा जैसे दिगम्बर जैन समाज का कोई महत्वपूर्ण मांगलिक कार्य संपन्न हो रहा हो या यूँ समझें समाज की दिवाली मन रही हो, इस कार्यक्रम के माध्यम से पूरे रायपुर समाज के श्रावक, श्राविकायें, बच्चे, युवा का एक दूसरे से परिचय होने के साथ साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से समाज की प्रतिभाएँ उभर कर आ रही हों, क्षमावाणी का कार्यक्रम पृथक रूप से हर मंदिरों मे होता है लेकिन वो उस मंदिरों के सदस्यों के मध्य तक ही सिमित रह जाता है, सामूहिक रूप मे ये आयोजन अपने साथ कई अच्छाई लेकर आया है, सभी मंदिरों के लोगों ने इस कार्यक्रम के लिए पूर्ण रूप से तन मन धन के समर्पण के साथ सहयोग किया, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सभी मंदिरों की महिला समिति के सदस्यों ने जोरदार तैयारी की लेकिन उसके प्रदर्शन मे प्रतिस्पर्धा कंही नहीं दिखी बल्कि दिखी धर्म प्रभावना की झलक, जो बहुत अच्छा सन्देश है, ये एकता केवल हमें सामाजिक स्तर पर ही नहीं वरन जीवन के कई क्षेत्र जैसे देव शास्त्र गुरु की सेवा, मंदिर एवं उससे सम्बंधित क्षेत्रों के निर्माण या विकास, परिवार के सुखदु:ख व वैवाहिक कार्यों मे अपनापन, व्यवसाय व अन्य आर्थिक क्षेत्र मे परस्पर सहयोग, समाज के शिक्षा या कमजोर सदस्य के सहयोग ऐसे कई क्षेत्र है जँहा संगठन की महत्ता की आवश्यकता रहेगी व परस्पर प्रेम व पारिवारिक वातावरण के निर्मित होने से समाज खुशहाल रहेगा। **-जैन अरविन्द पहाड़िया**

13 अक्टूबर से आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव का त्रिदिवसीय भव्य आयोजन

आचार्य श्री वर्द्धमानसागर जी महाराज के सान्निध्य में शताब्दी समारोह का होगा भव्य शुभारंभ

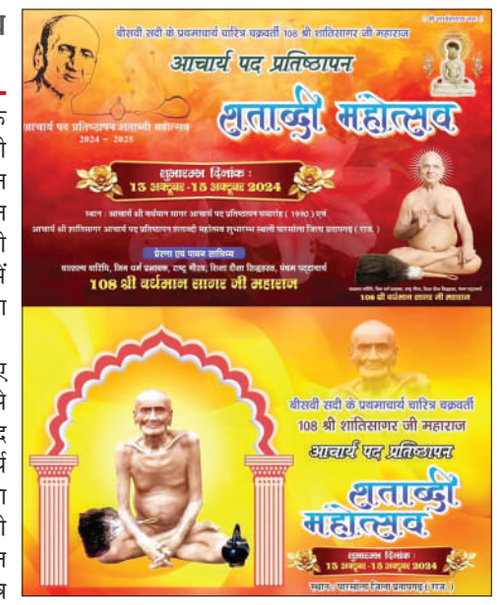

पारसोला (विश्व परिवार)। बीसवी शताब्दी के प्रथमाचार्य, चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी महोत्सव का त्रिदिवसीय भव्य आयोजन परम पूज्य वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य श्री वर्द्धमानसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 13 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक पारसोला जिला प्रतापगढ़ राजस्थान में किया जाएगा।

डॉ. सुनील जैन संचय ने जानकारी देते हुए बताया कि 13 अक्टूबर को प्रात: 7:30 बजे से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी, उसके बाद भूमि शुद्धि, ध्वज वंदन, मण्डप उदघाटन, आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज की प्रतिकृति का लोकार्पण किया जाएगा। इसके बाद आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। दोपहर में विनयांजलि सभा आदि तथा रात्रि में महाआरती, विनयांजलि और सांस्कृतिक आयोजन में नाटक और नृत्य नाटिका होगी। 14 अक्टूबर को प्रात: पीठ वंदन आदि कार्यक्रम के बाद श्रुत प्रभावना जुलूस, श्रुत अलंकरण समारोह, श्रुत स्कंध पूजा, विनयांजलि, आचार्यश्री के प्रवचन रात्रि में रूपेश जैन संगीतकार द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति होगी। 15 अक्टूबर को पीठ वंदन आदि के बाद विनयांजलि, आचार्यश्री के प्रवचन, भट्टारक परंपरा का बहुमान तथा समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति ने इस भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर पुण्यार्जन करने की अपील की है। **-डॉ. सुनील जैन संचय**

स्वच्छता ही सेवा अभियान : रायपुर रेलवे स्टेशन परिसर गुढ़ियारी साइड में क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्यों ने पौधारोपण किया

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेलवे द्वारा इस वर्ष स्वच्छ भारत मिशन के शुभारंभ की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'स्वभाव स्वच्छता ङ्क संस्कार स्वच्छता' थीम के साथ 'स्वच्छता ही सेवा' 2024 अभियान 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2024 तक मनाया जा रहा है। इसी संदर्भ में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के सभी स्टेशनों, रेलवे परिसरों, पटरियों, कार्य क्षेत्रों तथा गाडियों में प्रत्येक दिवसों के थीम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी क्रम में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत जेड.आर.यू.सी.सी. के सदस्यों ने रायपुर रेलवे स्टेशन के गुढ़ियारी साइड में पौधारोपण किया इस पौधारोपण का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता की सर्वोत्तम व्यवस्था सुनिश्चित करना था। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (क्रष्ट-जेड.आर.यू.सी.सी.) के सदस्य श्री लोकेश साहू, चेंबर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, रायपुर (छ.ग.), श्री वेगेंद्र कुमार सोनबर, चेंबर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, रायपुर (छ.ग.), ने पौधारोपण कर स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लिया एवं यात्रियों को स्वच्छता का सन्देश दिया इस अवसर पर रायपुर स्टेशन के मुख्य स्टेशन प्रबंधक, वाणिज्य निरीक्षक उपस्थित रहे।

मैट्स विश्वविद्यालय में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। 28 सितंबर को मैट्स विश्वविद्यालय ने अपने विभिन्न क्लबों के लिए शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जिसमें विभिन्न विभागों के छात्रों ने भाग लिया, यह कार्यक्रम मैट्स विश्वविद्यालय के विभिन्न स्तर के क्लबों के लिए छात्रों के उन्मुखीकरण पर केंद्रित था, जो इस प्रकार रहे- मैट्स ओरेटर्स क्लब, मैट्स टेक इनोवेटर्स क्लब, मैट्स क्रिएटिव क्लब, मैट्स स्टार्टअप क्लब, मैट्स ग्रीन वॉरियर्स, मैट्स वेलनेस सर्कल, मैट्स स्पोर्ट्स क्लब, मैट्स लेंसमास्टर्स, मैट्स आउटरीच पहल, मैट्स रोबोटेक यह क्लब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करेंगे तथा विश्वविद्यालय तथा बाहर की सर्वांगीण गतिविधियाँ संचालित करेंगे। कार्यक्रम में माननीय कुलाधिपति मैट्स विश्वविद्यालय गजराज पगारिया, कुलपति प्रो. डॉ. के.पी.यादव, महानिदेशक प्रियेश पगारिया, रजिस्ट्रार गोकुलानंद पांडा ने प्रेरक शब्दों से विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया तथा क्लबों के पदाधिकारियाँ एवं छात्रों को शपथ दिलायी। इस कार्यक्रम में सभी विभागाध्यक्ष एवं अध्यापकगण तथा विभिन्न संकाय सदस्य उपस्थित थे शपथ ग्रहण मैट्स विश्वविद्यालय के रायपुर कैंपस में अयोजित किया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने 'स्वच्छता ही सेवा' 2024 के तहत देशव्यापी स्वच्छता अभियान चलाया

बैंक के 22 अंचल कार्यालयों के स्टाफ सदस्यों ने की उत्साहपूर्ण सहभागिता

मुंबई (विश्व परिवार)। अक्तूबर 2024 को मनाए जाने वाले स्वच्छ भारत दिवस की प्रस्तावना के रूप में भारत सरकार द्वारा 14 सितंबर 2024 से 1 अक्तूबर 2024 तक स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान चलाया जा रहा है जिसका थीम है- 'स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता'।

इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को बढ़ावा देना है और विशेष रूप से दुरूह एवं अधिक गंदगी वाली जगहों ङ्कस्वच्छता हेतु लक्षित इकाइयों (CTUs) को स्वच्छ बनाने पर ध्यान केंद्रित कियाजाना है तथा स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण हेतु योगदान के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करना है। देशव्यापी अभियान के तहतबैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने कार्यालयों और शाखाओं में पौधारोपण अभियान, वॉकथॉन और स्वच्छता मित्रों केअमूल्य योगदान के सम्मान में उनके लिए स्वास्थ्य और कल्याण शिविर आयोजित किए। 'श्रमदान के माध्यम से सम्पूर्ण स्वच्छता' के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता के तहत बैंक देश भर में स्वच्छता अभियान चला रहा है। इस अभियान के तहत बैंक देश भर में निवारक स्वास्थ्य जांच हेतु सिंगल विंडो स्वास्थ्य एवं कल्याण शिविर के रूप में 'सफाई मित्र सुरक्षा शिविर' का आयोजन कर रहा है। बैंक ने अपने कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में स्वच्छता कर्मियों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री देबदत्त चांद, कार्यपालक निदेशक श्री लाल सिंह एवं श्रीमती बीना वहीद, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री सुरेन्द्र कुमार दीक्षित ने अन्य वरिष्ठ कार्यपालकों एवं स्टाफ सदस्यों के साथ मुंबई में 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' अभियान का शुभारंभ किया। 'सम्पूर्ण स्वच्छता' की दिशा में सफाई कर्मचारियों के योगदान को रेखांकित करते हुये बैंक ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की ठोस कचरा प्रबंधन विभाग की टीम को सम्मानित किया।

रेल परिवार से रायपुर मंडल के 21 सदस्य 30/09/2024 को हुए सेवानिवृत्त

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल परिवार के 21 सदस्य (17 सामान्य एवं 04 असामान्य) सितम्बर 2024 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत हुए।

इस समारोह में मंडल कार्मिक अधिकारी (श्रीमतीनिकिता अग्रवाल),सहायक मंडल वित्त प्रबंधक (श्रीमती सुमित्रा पाल), सेवानिवृत्त कर्मी एवं उनके परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा बंदोबस्त अनुभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। मंडल के सेवानिवृत्त होने वाले 21 रेलकर्मियों में यांत्रिकी विभाग से 05, इंजीनियरिंग विभाग से 06, परिचालन विभाग से 04, विद्युत विभाग से 03एवं वाणिज्य विभाग से 03कर्मचारी शामिल है।

सामुदायिक भवन में आयोजित समारोह में समस्त सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई दी गई। इस अवसर पर सहायक मंडल वित्त प्रबंधक द्वारा सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति का समस्त भुगतान प्रमाण-पत्र दिया गया। (ई-पेमेंट के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मचारियों की कुल राशि रुपये 7,91,90,859/- का भुगतान किया गया।) पेंशन भुगतान आदेश, सेवानिवृत्त कर्मचारी का पहचान पत्र एवं कर्मचारियों एवं आश्रितों का पास कार्ड, सेवा मेडल दिनांक 30/09/2024 को प्रदान किया गया। मंडल कार्मिक अधिकारी एवं सहायक मंडल वित्त प्रबंधक ने सभी को संबोधित करते हुए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवा के दौरान अपने दायित्यो का निर्वहन अच्छे से करने पर बधाई दी तथा स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए सेवानिवृत्त जीवन को अपने परिवार एवं रिश्तेदारों के साथ आनंदपूर्वक व्यतीत करने की बात कही, साथ ही सेवानिवृत्ति के दौरान मिली राशि को सही जगह निवेश करने की सलाह दी। अंत में उन्होंने सभी को सेवानिवृति के पश्चात् सुखद भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामनायें दी।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 01 अक्टूबर 2024

संक्षिप्त समाचार

नरहरा में चल रहे प्रशिक्षण का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

धमतरी(विश्व परिवार)। नगरी के पर्यटन स्थलों में से एक नरहरा में चल रहे विभिन्न प्रशिक्षण का एस डी एम और सी ई ओ नगरी ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रशिक्षक श्री टिकेश्वर की उपस्थिति में प्रशिक्षुगण से चर्चा की गई। गत दिवसो में संचार कौशल,वेशभूषा, हॉस्पिटैलिटी(मेजबानी) प्रस्तुतिकरण , व्यवहार गुण, अतिथि परिचय प्रक्रिया, आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बताया गया कि व्यावहारिक अभ्यास की और आवश्यकता है। अभ्यास के द्वारा प्रस्तुतिकरण , मॉक अतिथि सत्कार, तथा नरहरा की विशेषताओं को बताने का अभ्यास आगामी दिवस में किया जाना है। साथ ही बॉडी लैंग्वेज , आई कॉन्टेक्ट (आत्मविश्वास) शैली की अभ्यास के द्वारा और बेहतर किये जाने की आवश्यकता है।

पति ही निकला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का हत्यारा

गरियाबंद(विश्व परिवार)। जिले छुरा थाना क्षेत्र में एक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की हत्या के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। मामले में पुलिस ने मृतका खेम बाई के पति गोविंद ध्रुव को गिरफ्तार किया है। बता दें कि विगत दिनों 28 सितंबर को छुरा थाना क्षेत्र में एक महिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता खेम बाई की मौत के बाद परिजनों ने शक के आधार पर पुलिस ने जांच के लिए शिकायत की थी। मामले में छुरा पुलिस ने जांच शुरू कर थी। जांच के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतका के पति गोविंद ध्रुव को पकड़कर कड़ाई से पुछताछ किया तो उसने अपनी पत्नी की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। पुछताछ में आरोपी पति ने पुलिस को बताया कि 27 सितंबर की दरम्यानी रात उसकी शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा थी लेकिन पत्नी तैयार नहीं थी और इसे लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया और हाथापाई में उसने पत्नी का गला दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई। 28 की सुबह वह हत्या के मामले को छिपाने के लिए अंतिम संस्कार के लिए जल्द बाजी कर रहा था। लेकिन महिला के मायके वालों की सूचना पर पुलिस ने मामले को जांच में लिया और हत्या का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

आबकारी अमले ने जब्त किया 30 लीटर अवैध शराब

धमतरी(विश्व परिवार)। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी के निर्देश पर जिले में अबकारी अमला द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आज नगरी के बहनापथरा में कार्यवाही करते हुए 30 लीटर महुआ शराब जब्त किया गया और लगभग 1800 किलो महुआ लाहन जब्त कर नष्ट किया गया। जिला आबकारी अधिकारी श्री प्रभाकर शर्मा ने बताया कि अज्ञात आरोपी के खिलाफ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 34(1) च के तहत कार्यवाही की गयी। इस अवसर पर आबकारी उप निरीक्षक, अजय मारकण्डे, आबकारी आरक्षक मुरली सोनी, नगर सैनिक राहुल साहू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कबाड़ से जुगाड तैयार कर महिलाएं हो रहीं आत्मनिर्भर

धमतरी(विश्व परिवार)। देश, प्रदेश सहित जिले में भू जल स्तर लगातार नीचे जाने लगा। इसे ध्यान में रखकर कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी की पहल पर जिले में नारी शक्ति से जल सकती अभियान के तहत् लोगों को जल संरक्षण के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है। जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जितना पानी का सदुपयोग, उसे सहेजना जरुरी है, उतना ही जरूरी साफ़सफ़ाई और प्लास्टिक मुक्त बनाए रखना। इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखकर कलेक्टर सुश्री गांधी सहित जिला प्रशासन द्वारा बीते दिनों जीवनदायिनी महानदी के आसपास साफ़ सफ़ाई कर प्लास्टिक मुक्त गंगरेल बनाने का संदेश दिया गया। वहीं जिले के नगरीय निकाय, ग्रामों, मोहल्ला और वार्डों में स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत साफसफाई की जा रही है। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ता, स्वयं सेवी संस्थाएं, बिहान और ग्रीन आर्मी की महिलाएं, नेहरू युवा केंद्र के प्रतिनिधि सहित आमजन शामिल हो रहे हैं। इन्हीं सब कार्यक्रमों के साथ ही नगर निगम धमतरी की एन आर एल एम की महिलाओं ने भी जल एवं पर्यावरण संरक्षण का बीड़ा उठाया। उन्होंने अपने आसपास पड़े कबाड़ से जुगाड तैयार किया। इसमें प्लास्टिक के बॉटल, पुट्ठा, कागज, डिस्पोजल, प्लास्टिक के मोती, चूड़ियाँ इत्यादि का उपयोग कर घर सजावट की वस्तुएं जैसे झूमर, गुलदस्ता, हाफ पर्दा, वॉल हैंगिंग, चिड़िया का घोंसला सहित अन्य आकर्षक सामग्रियां बनाईं। इससे उन्हें आमदनी तो होती है, साथ ही जल एवं पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी सहभागिता निभा रही हैं। गौरतलब है कि लोगों को जल एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरुक करने के उद्देश्य से आगामी 5 एवं 6 अक्टूबर को रविशंकर जलाशय गंगरेल बांध में जल जगार महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।

शिविर में प्राप्त आवेदनों का समय सीमा एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने निर्देश

पिथौरा के दूरस्थ ग्राम भुरकोनी में आयोजित किया गया जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर

महासमुंद(विश्व परिवार)। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन पिथौरा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम भुरकोनी में आयोजित किया गया। यहाँ कलेक्टर विनय लंगेह सहित जनप्रतिनिधिगण और प्रशानिक अधिकारी शिविर मे मौजूद थे। शिविर में ग्रामीणों सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। उपस्थित ग्रामीणों के बीच जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सुपोषण एवं स्वच्छता अभियान की शपथ लिया गया। शिविर में कुल 439 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 319 आवेदन मौके पर ही निराकरण किया गया। अन्य आवेदन मांग तथा शिकायत संबंधी होने की वजह से आवेदन

पर परीक्षण कर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर कलेक्टर, सीइओ एवं जनप्रतिनिधि ने स्कूल प्रांगण में पौधरोपण भी किया। शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल, जनपद अध्यक्ष सत्यभामा नाग,जनपद सदस्य रुक्मणि साहू, चेतन बरिहा, पूर्व जिला भूमि विकास बैंक अध्यक्ष ओम प्रकाश चौधरी, मनमीत छाबड़ा, संचार मंत्रालय सलाहकार सदस्य, डूलीगेशन साहू, प्रीतम साहू,मनोहर साहू, छबिलाल रात्रे, राधेश्याम अग्रवाल, विधायक निज सचिव नरेंद्र बोरे, सरपंच दिनेश अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हरिशंकर पैकरा, जनपद सीईओ पीसी मनहर, सहित जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण लोग मौजूद थे।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष उषा पटेल ने कहा कि कहा कि प्रशासन को जनता के करीब लाना है। जनता को विभागीय अधिकारियों से पहचान हो ताकि वे अपनी समस्याएं अधिकारी के समक्ष सही ढंग से रख सके। उन्होंने कहा कि सरकार की यह भाव है कि उनके द्वारा संचालित योजनाओं से जनता अधिक से अधिक लाभान्वित हो सके। उन्होंने कहा कि समस्या है तो समाधान भी संभव है। समस्या के समाधान के लिए अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि यहां शासन की योजनाओं की जानकारी मिलने के साथ ही अपनी समस्याओं का निराकरण भी संबंधित अधिकारी के माध्यम से करा सकते हैं। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने शिविर को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन के मंशानुरूप आमजनों की समस्या के तत्काल निराकरण हेतु पिथोरा ब्लॉक के ग्राम पंचायत भुरकोनी में आज जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया है। कलेक्टर ने कहा कि शिविर में प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। ग्रामीणों की स्थानीय स्तर की समस्याओं का निराकरण जनपद पंचायत व तहसील स्तर पर करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए है। कलेक्टर ने कहा कि आवेदन में आवेदक अपना मोबाइल नंबर अवश्य लिखें ताकि उन्हें निराकरण की स्थिति से अवगत कराया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि हम सब यहाँ शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आये हैं।

स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम और धूम्रपान न करने से हृदय रोग की रोकथाम संभव है

रायपुर। दुनिया भर में लगभग 18 मिलियन हृदय रोग के मामलों को स्वस्थ आहार अपनाने, नियमित व्यायाम करने और धूम्रपान न करने से रोका जा सकता है।

यह बात छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित एलीट मेडिसिटी हॉस्पिटल के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. राजीव लोचन भांजा ने विश्व हृदय दिवस 2024 के अवसर पर कही।

उन्होंने कहा, भले ही किसी व्यक्ति के परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा हो, फिर भी चिकित्सा में हुई अविश्वसनीय प्रगति के कारण हम हृदय रोग की रोकथाम और उपचार कर सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में हृदय रोग

मृत्यु का एक प्रमुख कारण है, जिसने 2019 में 17.9 मिलियन लोगों की जान ले ली, इनमें से तीन-चौथाई मौतें निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हुईं। हृदय संबंधी बीमारियों से होने वाली इन मौतों में से 85 प्रतिशत मौतें दिल के दौरे और स्ट्रोक के कारण हुईं। जोखिम कारकों में अस्वास्थ्यकर आहार, कम शारीरिक गतिविधि, धूम्रपान, शराब और प्रदूषण शामिल हैं।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन जैसे उद्योग संबंधी दिशानिर्देश यह सलाह देते हैं कि रक्तचाप की जांच 20 वर्ष की आयु से शुरू की जाए तथा हर वर्ष कराई जाए। उच्च रक्तचाप से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन आमतौर पर इसके कोई लक्षण नहीं होते, तथा इसकी पुष्टि के लिए माप की आवश्यकता होती है।

डॉ. भांजा का कहना है कि मरीजों को कम से कम हर पांच साल में अपने कोलेस्ट्रॉल की जांच करानी चाहिए, तथा यदि जोखिम कारक मौजूद हों तो अधिक बार जांच करानी चाहिए। इसके अलावा, उनके बॉडी मास इंडेक्स का मूल्यांकन किया जाना चाहिए ताकि यह देखा जा सके कि उनका शरीर का वजन स्वस्थ है या नहीं, और उनके रक्त शर्करा के स्तर को मापा जाना चाहिए ताकि यह देखा जा सके कि उन्हें मधुमेह का खतरा है या नहीं।

डॉ. भांजा ने कहा कि महिलाओं में अतिरिक्त जोखिम कारक होते हैं, महिलाओं में हम 10 वर्ष का लिंग अंतर कहते हैं। महिलाओं में 10 साल का लैंगिक अंतर होता है। एस्ट्रोजन के कारण, उन्हें 60 की उम्र में दिल की बीमारी होने की संभावना होती है, जबकि पुरुषों को 50 की उम्र में दिल की बीमारी होती है। हालांकि, मधुमेह होने से महिलाओं के लिए यह अंतर खत्म हो जाता है।

प्रेमी ने अपनाने से किया इंकार तो महिला ने खोल दिया पति की हत्या का राज

गरियाबंद(विश्व परिवार)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के गुजरा गांव में 8 माह पहले एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पहले अपने पति की हत्या कर दी और सामान्य मौत बताकर उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया। इधर कुछ दिनों बाद जब प्रेमी ने उसे अपनाने से इंकार किया तो महिला ने सबके सामने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या का राज खोल दिया। जिसके बाद पुलिस ने दोनों प्रेमी-प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार 8 माह पहले ग्राम के सिरहा (पुजारी) रोमन सिंह की मौत हो गई थी। जिसे सामन्य बताकर उसका क्रियाकर्म कर दिया गया था। इधर कुछ दिनों बाद मृतक सिरहा की पत्नी लक्ष्मी ध्रुव ने अचानक पति की हत्या करने की बात सबके सामने कह दी। लक्ष्मी ने सबको बताया कि उसका गांव के ही भीखम सिंह के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था जिसके चलते उसने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। जिसके बाद मृतक रोमन सिंह के बड़े भाई ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। एवं पुलिस ने भीखम को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपराध कबूल किया। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि 12 जनवरी 2024 को रोमन ने उसे उसकी पत्नी लक्ष्मी के साथ अवैध संबंध बनाते देख लिया था। इसके बाद आरोपी ने प्रेमिका के साथ मिलकर उसके पति को गमछे से गला घोटकर मार दिया। उस समय इसे सामान्य मौत बताकर अंतिम संस्कार कर दिया गया था। ईधर आरोपी भीखम ने जब मृतक की पत्नी को अपनाने से इंकार किया तो उसने हत्या के राज से पर्दा उठा दिया। पुलिस ने दोनों आरोपी को हिरासत में ले लिया है। वहीं शव को कब्र से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सहायक शिक्षक से 1180 बने थे प्रधान पाठक 2 वर्ष बाद हो पाई काउंसलिंग एवं पदस्थापना

बलरामपुर रामानुजगंज(विश्व परिवार)। बलरामपुर रामानुजगंज जिले के अंतर्गत 6 विकासखंडों कि 1180 प्राथमिक शाला के सहायक शिक्षकों की प्रधान पाठक में पदोन्नति हुई थी उनकी पदस्थापना 14 अक्टूबर 2022 को होना था। परंतु विवाद एवं पैसे के लेनदेन के कारण पदस्थापना एवं काउंसलिंग रद्द कर दिया गया था। जिसके बाद से आज तक पदस्थापना नहीं हो पाई थी। हाई कोर्ट के आदेश के परिपालन में जिला स्तरीय ओपन काउंसलिंग 26 सितंबर से 29 सितंबर के बीच नगर के उड़ान में आयोजित की गई जिसमें जिसमें कल 741 सहायक शिक्षकों की प्रधान पाठक के रूप में पदस्थापना की गई। जिले के सहायक शिक्षकों के प्रधान पाठक के रूप में पदोन्नति होने के करीब 2 वर्ष के बाद भी पदस्थापना नहीं हो पाई थी पैसे के लेनदेन एवं विवाद के कारण तात्कालिक कलेक्टर विजय दयाराम के के द्वारा काउंसलिंग एवं पदस्थापना रद्द कर दिया गया था जिसके बाद कुछ सहायक शिक्षक हाई कोर्ट के शरण में भी गए थे हाई कोर्ट के द्वारा करीब 1 वर्ष पूर्व ही हाईकोर्ट के द्वारा भी काउंसलिंग एवं पदस्थापना जिला स्तर का समिति बनाकर किए जाने का निर्देश दिए गए थे परंतु हाई कोर्ट के निर्देश के बाद भी काउंसलिंग एवं पदस्थापना में देरी हो रही थी। लगातार शिक्षक संगठनों के द्वारा काउंसलिंग एवं पदस्थापना की मांग की जा रही थी। इस बीच जिला शिक्षा अधिकारी डॉ डी.एन. मिश्रा के उपस्थिति में जिला जेल रोड में स्थित उड़ान में 26 सितंबर से लेकर 29 सितंबर के बीच काउंसलिंग एवं पदस्थापना की गई।

इलाके में किन्नरों की दादागिरी से व्यापारी त्रस्त

रामानुजगंज(विश्व परिवार)। झारखंड से रामानुजगंज आने वाले किन्नरों के समूह से रामानुजगंज के व्यापारी सहित आमजन आतंकित हो रहे हैं बधाई मांगने के नाम पर किन्नरों की गुंडागर्दी खुलेआम देखने को मिल रही है विगत कई माह से ऐसा सिलसिला चल रहा है। बधाई मांगने के नाम पर दिन प्रतिदिन किन्नरों के समूह की दादागिरी बढ़ते जा रही है स्थिति यह हो रही है कि जिसके घर में भी किन्नर जा रहे हैं वह डर सहम जा रहे हैं उनका डिमांड इतना अधिक रहता है कि गरीब तबके के लोग बहुत मुश्किल से दे पा रहे हैं। शनिवार को वार्ड क्रमांक 13- 14 के कई घरों के लोग काफी दहशत में रहे। झारखंड के गढ़वा से स्कॉर्पियो वाहन से आए 8 किन्नरों के समूह द्वारा बधाई देने के नाम पर आधा दर्जन से अधिक घरों में करीब दो घंटे तक आतंक फैलाते हुए 11 हजार से लेकर 21 हजार तक पैसे का डिमांड करने लगे। वार्ड क्रमांक 13-14 में निवास करने वाले कई घरों में मजदूर तबके के लोग निवास करते हैं उनकी स्थिति ऐसी नहीं रहती कि वह सौ रुपए भी दे सकें परंतु किन्नरों के समूह द्वारा उनको आतंकित करते हुए पैसा मांगा जाता रहा जब कुछ लोग पैसा नहीं दे पाए तो उनके कान की बाली, हाथ का कंगन तक उतरवा लिया कुछ लोगों ने बताया कि पैर के पायल तक उन लोगों के द्वारा ले लिया गया। जिस घर में वे जाते हैं सबसे पहले उस घर के छोटे बच्चों को गोद में लेकर गाना बजाना शुरू कर देते हैं जिसके बाद पूरा घर दहशत में आ जाता है एवं इसके बाद से ही किन्नरों का खेल शुरू होता है एवं मजबूरी में लोगों को पैसा देना पड़ता है। दहशत के कारण बोलने के लिए भी तैयार नहीं है लोग* किन्नरों की कद काठी काफी हष्ट पुष्ट है जिसके घर में जाते हैं सभी दहशत में आ जाते हैं उनके द्वारा ऐसा ऐसा बात बोला जाता है कि कोई उनसे बहस करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता है लोग इस प्रकार से दहशत में है को जिन लोगो से उनके द्वारा पैसा एवं सोना ले लिया गया है वह कुछ भी कहने तक को तैयार नहीं है। डर के मारे घर के बाहर लगा लिया ताला जब शनिवार को किन्नर का आतंक चल रहा था इसकी जानकारी लोगों को लगी तो कुछ लोग अपने घर के बाहर ताला लगा दिए। परंतु वे समझ गए कि घर में ताला लगाकर कहीं आसपास ही है तो वह काफी देर घर के बाहर खड़े रहे एवं काफी भद्दी भद्दी गालियां दी।

मुख्य उद्देश्य केवल खेल का मनोरंजन नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना : कलेक्टर

स्वच्छता ही सेवा अभियान - प्रशासन इलेवन ने रोमांचक क्रिकेट मैच में नागरिक इलेवन को 18 रनों से हराया

बेमेतरा(विश्व परिवार)। स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत शुक्रवार को प्रशासन इलेवन और नागरिक इलेवन के बीच क्र कॉलेज ग्राउंड में क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। प्रशासन इलेवन के केप्टन एसडीएम बेमेतरा घनश्याम तंवर थे वही नागरिक इलेवन केप्टन कोमल राजपूत थे। रोमांचक मुक़ाबले में प्रशासन इलेवन ने नागरिक इलेवन को 18 रन से हराया। मेन ऑफ़ द मैच ज़िला परिवहन अधिकारी अरविंद भगत रहे। उन्होंने तीन क़ीमती विकेट लिये और अपनी टीम के लिए

रन भी बनाये। मैच में प्रशासन इलेवन ने 18 रनों से जीत हासिल की। रोमांचक मुक़ाबले के दौरान ज़िला परिवहन अधिकारी अरविंद भगत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन महत्वपूर्ण विकेट लिए और अपनी टीम के लिए रन भी बनाए। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें %मैन ऑफ द मैच% घोषित किया गया। मैच के समापन पर कलेक्टर रणबीर शर्मा ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की और सभी खिलाड़ियों की खेल भावना की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य केवल खेल का मनोरंजन नहीं, बल्कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। समारोह के दौरान कलेक्टर ने उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई और सभी से अपने आसपास की सफ़ाई बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता एक सामूहिक जिम्मेदारी है, और इस प्रकार के आयोजनों से लोग स्वच्छता के महत्व को बेहतर ढंग से समझते हैं। उन्होंने कहा कि ज़िले में 17 सितंबर से स्वच्छता ही सेवा अभियान अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रम के ज़रिए लोगों को स्वच्छता जागरूक किया जा रहा है। यह अभियान आगामी 2 अक्टूबर तक चलेगा। क्रिकेट की कमेंट्री सुनील झा और स्टेनो धर्मेंद्र शर्मा ने की।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में मनाया गया विश्व रैबीज दिवस

बेमेतरा(विश्व परिवार)। विश्व रैबीज दिवस पर बेमेतरा ज़िले के विकासखंड नवागढ़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मनाया गया। उपचार हेतु आने वाले मरीज़ों,उनके साथ आये परिजन, मित्रों आदि संगोष्ठी कर रैबीज की रोकथाम बचाव के संबंध में बीईटीओ ध्रुवे द्वारा विस्तार से जानकारी दिया गया। लोगों को बताया गया कि किसी भी जानवर के काटने पर तत्काल अस्पताल पहुंचे एवं समय पर एन्टी रैबीज वैक्सीन की पूरी डोज ज़रूर लगवाना होता है।। रैबीज एक संक्रामक वायरल रोग है, जो कुत्ते, बिल्ली, बन्दर या अन्य जानवरों के काटने से हो सकता है। विश्व रैबीज जागरूकता दिवस विश्व रैबीज दिवस के अवसर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यशवंत ध्रुव के निर्देशन और डॉ एन.एम. रजा बीएमओ के निर्देश बीपीएम सी के देवांगन के मार्गदर्शन पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में आने वाले मरीजो एवम स्टाफ में इस अवसर पर यूआर ध्रुव, सुनिल, वशुधा, सभी सुपरवाइजर, स्वास्थ्य कर्मियों व मरीज व परिजनों के साथ उक्त कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर मंगलवार 01 अक्टूबर 2024

व्यापार समाचार

काउंटरपॉईंट सर्वे : OPPO India को आफ्टरसेल्स सर्विस में No 1 मिला; 62 % ग्राहक 'अत्यधिक संतुष्ट' रहे

नईदिल्ली। OPPO India अतुलनीय सेवा प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ आफ्टर-सेल्स और कस्टमर सर्विस में पहले स्थान पर आया है। इसके 62% ग्राहकों को उनकी इन-स्टोर आफ्टर-सेल्स सर्विस बहुत 'संतोषजनक' महसूस हुई। अगस्त, 2024 में काउंटरपॉईंट रिसर्च में भारत के सर्वोच्च पाँच मोबाईल ब्रांड्स के 2000 से ज्यादा ग्राहकों का सर्वे करके उनके आफ्टर-सेल्स सर्विस अनुभव के बारे में जाना गया। इस सर्वे में अपने नए जनरेशन के सेंटर्स द्वारा सर्विस अनुभव में सुधार लाने के लिए OPPO India का ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण सामने आया। यह सर्वे OPPO India , realme, Samsung, vivo, और Xiaomi के ग्राहकों के बीच 13 टियर 1 और टियर 2 शहरों में किया गया था। इस सर्वे में रिपेयर क्वालिटी, लागत, समस्या समाधान की गति, पारदर्शिता, स्टाफ की विशेषज्ञता, और कई भाषाओं में संचार के मामले में OPPO India अपने 'बहुत संतुष्ट' ग्राहकों के साथ अग्रणी रहा।

मीशो गोल्ड का उद्देश्य विक्रेताओं को गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की मांग पूरी करने में समर्थ बनाना है

रायपुर: भारत के एकमात्र ट्रू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, मीशो ने कुछ समय पहले विभिन्न श्रेणियों में किफायती प्रीमियम उत्पादों के अपने क्योरेटेड संग्रह के लिए मीशो गोल्ड पेश किया था। सितंबर, 2023 में लॉन्च हुए मीशो गोल्ड का उद्देश्य विक्रेताओं को समर्पित सहयोग प्रदान करना है ताकि प्लेटफॉर्म पर उनका अनुभव बेहतर बने। गोल्ड का टैग उन उत्पादों को दिया जाता है, जो मूल्य, गुणवत्ता और ग्राहकों के अच्छे रिव्यू के मानकों को पूरा करते हैं। साथ ही, अगर किसी उत्पाद पर गोल्ड टैग है, तो इसका मतलब है कि उसे ग्राहकों से लगातार अच्छी रेटिंग और फीडबैक मिलते आए हैं, जिससे उनकी 100 प्रतिशत विश्वसनीय क्वालिटी और भरोसा प्रदर्शित होता है। गोल्ड टैग विश्वसनीयता और गुणवत्ता का प्रमाण है। मीशो किफायती प्रीमियम सेगमेंट के विक्रेताओं को सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह विक्रेताओं को अपने गुणवत्तायुक्त उत्पाद पेश करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। पिछले कुछ सालों में इस प्लेटफॉर्म पर जो विक्रेता किफायती मूल्य में आकर्षक उत्पाद और गुणवत्ता की 100 प्रतिशत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते आए हैं, उन्हें अपार सफलता मिली है। मीशो गोल्ड टैग वाले उत्पादों को सही मूल्य, अच्छी गुणवत्ता और ग्राहकों के सकारात्मक रिव्यू के कारण अच्छी विज़िबिलिटी मिलती आई है, जिससे विक्रेताओं को विकास करने और सफलता प्राप्त करने में मदद मिली है। मीशो गोल्ड गुणवत्ता, किफायत और विक्रेताओं को सहयोग देने पर केंद्रित रहते हुए ऑनलाईन शॉपिंग के अनुभव में परिवर्तन ला रहा है। इससे जहाँ, ग्राहकों को भरोसेमंद उत्पाद मिल रहे हैं, वहीं, विक्रेता तेजी से विकास करने में समर्थ भी बन रहे हैं। मीशो इनोवेशन और विस्तार का अपना सफर जारी रखते हुए एक जीवंत मार्केटप्लेस का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो विक्रेताओं और ग्राहकों की बढ़ती हुई जरूरतों को पूरा करता रहे।

कुमार आर्क टेक लिमिटेड ने 740 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

रायपुर। वजीर रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2024 तक मूल्य के संदर्भ में भारत में पीवीसी2 मिश्रण-आधारित निर्माण सामग्री उत्पादों के सबसे बड़े निर्माता और निर्यातक कुमार टेक लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से इक्विटी शेयरों (प्रत्येक 2 अंकित मूल्य) की पेशकश के माध्यम से कुल 7400 मिलियन (740 करोड़) तक का धन जुटाने की योजना बनाई है। इस ऑफर में कुल 2400 मिलियन (240 करोड़) तक के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू ('ताजा इश्यू') और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 5000 मिलियन (500 करोड़) तक के शेयरों की बिक्री का ऑफर ('बिक्री के लिए ऑफर') शामिल है। कंपनी ने शुद्ध आय का उपयोग वित्तपोषण के लिए करने का प्रस्ताव किया है ङ्क (द्व) पीवीसी आधारित उत्पादों के विनिर्माण से संबंधित ग्रीनफील्ड परियोजना के लिए अपनी पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं के वित्तपोषण के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, टीआईपीएल में निवेश, जिसकी अनुमानित राशि 1820.92 मिलियन [182.09 करोड़] है और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए। (निर्गम का उद्देश्य)

सोनी इंडिया ने पेशेवर रचनाकारों और ऑडियोफाइल्स के लिए अल्ट्रा-वाइडबैंड फ्रीक्वेंसी रेंज प्लेबैक के साथ लॉन्च किया क्लोज्ड मॉनिटर स्टूडियो हेडफोन

नई दिल्ली : सोनी इंडिया ने आज एमडीआर-एम1 रेफरेंस क्लोज्ड मॉनिटर हेडफोन की घोषणा की, जिसे संगीत रचनाकारों, ऑडियोफाइल्स और साउंड इंजीनियरों के लिए डिजाइन किया गया है ताकि वे किसी भी वातावरण में संगीत का निर्माण कर सकें, जैसा वे चाहते हैं। हेडफोन में हाई साउंड सेपरेशन के साथ बंद सोनिक संरचना, विशेष रूप से विकसित ड्राइवर, तथा हल्का और आरामदायक डिजाइन है, जो उपयोगकर्ताओं को अपने स्वयं के वातावरण में सृजन करने की अनुमति देता है, मानो वे स्टूडियो में हों। एमडीआर-एम1 हेडफोन स्टूडियो ध्वनि गुणवत्ता को अत्यधिक आराम और विश्वसनीयता के साथ जोड़ता है, जो संगीत उत्पादन और उच्च-रिज़ॉल्यूशन ऑडियो अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उपयुक्त है। एमडीआर-एम1 एक सावधानीपूर्वक ट्यून किए गए सोनिक ढांचे के साथ स्टूडियो साउंड गुणवत्ता प्रदान करता है, जो संगीत उत्पादन की एक विस्तृत श्रृंखला का समर्थन करता है, साथ ही उच्च- रिज़ॉल्यूशन ऑडियो भी प्रदान करता है।

बेंगलुरू एफसी की जीत की हैट्रिक के बीच सुनील छेत्री की ऐतिहासिक उपलब्धि

बेंगलुरू(एजेंसी)। कप्तान सुनील छेत्री के ऐतिहासिक गोल का जश्न श्री कांतीरवा स्टेडियम में मौजूद बेंगलुरू एफसी के फैंस ने जमकर मनाया, क्योंकि ब्लूज ने शनिवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में मोहन बागान सुपर जायंट को 3-0 से हरा दिया। बेंगलुरू एफसी की जीत में स्पेनिश फॉरवर्ड एडगर मेंडेज ने नौवें, मिडफील्डर सुरेश सिंह वागजाम ने 20वें और सुनील छेत्री ने (पेनल्टी किक पर) 51वें मिनट में गोल किए। अपने 64वें गोल के साथ ही सुनील आईएसएल इतिहास में सबसे ज्यादा स्कोर करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। एडगर मेंडेज को मैच का पहला गोल करने और शानदार खेल दिखाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। ब्लूज की शानदार जीत से उसके स्पेनिश हेड कोच जेरार्ड जारागोजा बेहद खुश होंगे। बेंगलुरू एफसी तीन मैचों में तीन जीत से नौ अंक लेकर तालिका में दूसरे से शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं, मैरिनर्स द्वारा सीजन में पहली बार हार का स्वाद चखने से स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना बेहद निराश होंगे। मोहन बागान सुपर जायंट तीन मैचों में एक जीत, एक ड्रा और एक हार से चार अंक लेकर तालिका में चौथे से छठे स्थान पर लुढ़क गए हैं। मैच का पहला गोल नौवें मिनट में

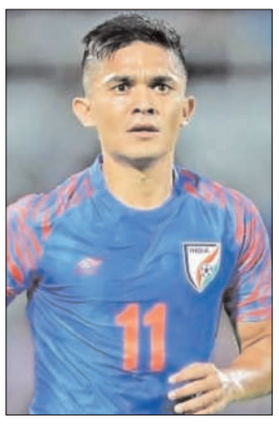

आया, जब स्पेनिश फॉरवर्ड एडगर मेंडेज ने बेंगलुरू एफसी को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। बाएं फ्लैंक में मिली फ्री-किक पर स्पेनिश मिडफील्डर अल्बर्टो नोगुएरा ने गेंद को खिलाड़ियों की भीड़ के ऊपर से फार पोस्ट की तरफ बॉक्स के अंदर पहुंचाया जहां मौजूद निखिल पुजारी ने हैडर किया और गेंद टिप्पा खाने के बाद बाउंस हुई जिसे मेंडेज ने बेहद करीब से दाहिना पैर लगाकर टॉप राइट कॉर्नर में गोलजाल में उलझा दिया जबकि मोहन बागान के गोलकीपर विशाल कैथ के पास ज्यादा कुछ करने के लिए नहीं था। 20वें मिनट में मिडफील्डर सुरेश सिंह वागजाम ने गोल करके बेंगलुरू एफसी की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। दाहिनी तरफ से गोल लाइन के करीब पहुंचने के बाद एडगर मेंडेज ने बॉक्स के ठीक बाहर से क्रॉस डाला, लेकिन फर्स्ट पोस्ट के आगे फॉरवर्ड सुनील छेत्री ने गिरने से पहले उस पास पर एक महत्वपूर्ण टच लगाकर मौका बनाया, जिस पर सुरेश ने पीछे से तेजी से आकर करारा राइट फुटर शॉट लगाया और गेंद आगे आए गोलकीपर विशाल कैथ के ऊपर से निकलकर राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में जा उलझी। 51वें मिनट में कप्तान सुनील छेत्री ने पेनल्टी किक पर गोल करके बेंगलुरू एफसी की बढ़त को 3-0 कर दिया। बेंगलुरू एफसी को पेनल्टी किक के रूप में यह सुनहरा मौका 50वें मिनट में मिला, जब स्पेनिश फॉरवर्ड एडगर मेंडेज को सेंटर-बैक दिपेंदु बिस्वास ने अपने बॉक्स के अंदर पीछे से खींचकर फाउल कर दिया और रैफरी आदित्य पुरकायस्थ ने लंबी सीटी बजाकर पेनल्टी किक का इशारा किया। इसके बाद छेत्री ने करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप लेफ्ट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि गोलकीपर विशाल कैथ दाहिनी तरफ डाइव लगाकर भी गेंद तक नहीं पहुंच पाए। अपने 64वें गोल के साथ ही सुनील आईएसएल इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने नाइजीरियाई स्ट्राइकर बार्थोलोम्यू ओग्बेचे (63) को पीछे छोड़ दिया।

जयसूर्या की कोचिंग में श्रीलंका क्रिकेट टीम के नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली(एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर दिया है। श्रीलंका क्रिकेट टीम ने पहले टेस्ट में कीवी टीम को 63 रनों से हराने के बाद दूसरे टेस्ट में एक पारी और 154 रनों की जीत हासिल की। इसके साथ ही श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को 15 साल बार टेस्ट सीरीज में मात दी है। श्रीलंकाई टीम का यह प्रदर्शन पिछले कुछ समय से कमाल की निरंतरता दिखा रहा है। जब से श्रीलंका के पूर्व ओपनर और दिग्गज बाएं हाथ के बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने अपनी टीम की कोचिंग की कमान संभाली है, तब से टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है। श्रीलंका ने इस दौरान भारत को वनडे सीरीज में हराया, उसके बाद इंग्लैंड को उसकी ही धरती पर टेस्ट मैच में मात दी और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत ली है। ताजा मैच में कामिंदु मेंडिस को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला है। उन्होंने पहली पारी में शानदार 182 रन बनाए थे। इसके अलावा बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज प्रभात जयसूर्या को प्लेयर ऑफ द सीरीज दिया गया है। सनथ जयसूर्या ने अपनी बैटिंग के दौरान जिस तरह से क्रिकेट की दुनिया में नए मानक स्थापित किए थे, उसी तरह से उनकी कोचिंग में श्रीलंकाई क्रिकेट के एक नए युग की शुरुआत दिखाई दे रही है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने जयसूर्या का अनुबंध एक और साल के लिए बढ़ा दिया है।

भारतीय कंपनियों में बीएफएसआई सेक्टर में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सबसे ज्यादा : रिपोर्ट

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय कंपनियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व स्थिर बना हुआ है। बैंकिंग, फाइनेंसियल सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर में महिलाओं की संख्या सबसे अधिक है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। वर्कप्लेस कल्चर कंसल्टिंग कंपनी अवतार की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया कि बीएफएसआई क्षेत्र में 24.5 प्रतिशत कॉरपोरेट्स एग्जीक्यूटिव्स महिलाएं हैं। इसके बाद एफएमसीजी सेक्टर में 21.5 प्रतिशत कॉरपोरेट्स एग्जीक्यूटिव्स महिलाएं हैं। रिपोर्ट में

बताया गया कि महिलाओं द्वारा नौकरी छोड़ने की दर 10 प्रतिशत ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंट्स (जीसीसी) में सबसे कम है। आंकड़ों के मुताबिक, सभी इंडस्ट्री में औसत महिलाओं का प्रतिनिधित्व 36.6 प्रतिशत है। एंट्री लेवल पर यह आंकड़ा 40 प्रतिशत है। प्रोफेशनल सर्विसेज में लिंग अनुपात करीब बराबर है और इसमें महिलाओं का प्रतिनिधित्व 46 प्रतिशत पर पहुंच गया है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 20 प्रतिशत है। अवतार के अध्यक्ष और संस्थापक डॉक्टर सौंदर्या राजेश ने कहा कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी के मामले में हम एक अनोखे मोड़ पर खड़े हैं। राजेश ने आगे कहा कि महिला कार्यबल के क्षेत्र में हमने काफी प्रगति की है। कार्यक्षेत्र पर महिलाओं के लिए सुविधाओं को बढ़ाया गया है। महिलाओं का नेतृत्व और सभी सेक्टरों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए हमें महिला सुरक्षा और कार्यस्थल में सुधार करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट में बताया गया कि 2019 में 58 प्रतिशत कंपनियां दिव्यांग लोगों पर फोकस कर रही थी। वहीं, अब इनकी संख्या बढ़कर 98 प्रतिशत हो गई है।

2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था बनना भारत का लक्ष्य

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की पर्यटन अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है। भारत तेजी से दुनिया के पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। साल 2022 में 64.4 लाख विदेशी और 78.9 लाख एनआरआई समेत कुल 1.43 करोड़ अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक भारत आये थे और इस क्षेत्र का राजस्व 17.6 अरब डॉलर रहा था। देश में 2023 में 92.4 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ, जो महामारी के बाद सकारात्मक सुधार का संकेत है। एक साल पहले की तुलना में यह 43.5 प्रतिशत की वृद्धि है। इस वर्ष, जनवरी से जून तक विदेशी पर्यटकों का आगमन (एफटीए) लगभग 47.8 लाख रहा। जून के महीने में, विदेशी पर्यटकों का आगमन 7,06,045 रहा, जबकि जून 2023 में यह 6,48,008 था। इस प्रकार साल-दर-साल आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सरकार के अनुसार, कुछ चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, यह

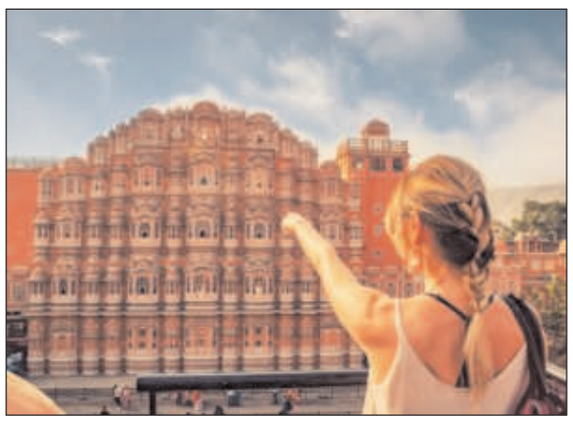

क्षेत्र निरंतर फल-फूल रहा है, जिसे बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, सस्टेनेबल प्रथाओं को बढ़ावा देने और समग्र आगंतुक अनुभव को समृद्ध करने के उद्देश्य से विभिन्न रणनीतिक पहलों से बल मिल रहा है। बाधाओं को दूर करने और अवसरों का लाभ उठाने की प्रतिबद्धता के साथ, भारत एक अग्रणी वैश्विक पर्यटन स्थल बनने की राह पर है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, 'चलो इंडिया' अभियान के तहत, भारत आने वाले पहले एक लाख विदेशियों को नि:शुल्क वीजा मिलेगा और सरकार वीजा शुल्क माफ करेगी। मंत्रालय ने नए सिरे से बनाए गए अतुल्य भारत डिजिटल पोर्टल पर अतुल्य भारत कंटेंट हब भी लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य टूर ऑपरेटरों, पत्रकारों, छात्रों, शोधकर्ताओं, फिल्म निर्माताओं, लेखकों, प्रभावशाली लोगों, कंटेंट क्रिएटर्स, सरकारी अधिकारियों और राजदूतों सहित विभिन्न हितधारकों के उपयोग के लिए है।

सिर्फ 4 करोड़ रुपये में रिटेन होंगे एमएस धोनी, बीसीसीआई लाई बिलकुल नया नियम

नईदिल्ली(एजेंसी)। पिछले काफी वक्त से चर्चा चल रही थी कि आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले चेन्नई सुपर किंग्स एमएस धोनी को रिटेन करेगी या नहीं? अब जबकि बीसीसीआई ने रिटेंशन नियमों का ऐलान कर दिया है, तो उसके बाद ये कहना गलत नही होगा कि धोनी का रिटेन होना तय है. हालांकि, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि रिटेन होने पर एमएस की सैलरी काफी कम होने वाली है. 5 बार आईपीएल टाइटल जीत चुकी चेन्नई सुपर किंग्स की टीम आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले अपने पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी को अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में बरकरार रख सकती है. दरअसल आईपीएल ने 2008 में बनाए गए उस नियम को वापस लाने का फैसला किया है, जिसके तहत उस खिलाड़ी को अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर शामिल किया जा सकता है, जिसने कम से कम 5 साल से इंटरनेशनल क्रिकेट में प्लेइंग-इलेवन में शामिल ना किया हो. याद हो एमएस ने 15 अगस्त 2021 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था. लेकिन, उन्होंने भारत के लिए आखिरी मैच 2019 में खेला था. ऐसे में अब माही को बतौर अनकैप्ड प्लेयर रिटेन किया जा सकता है. आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का अपने सबसे बड़े स्टार खिलाड़ी एमएस धोनी को रिटेन करना तय है.

सभी स्टेंट एक जैसे नहीं होते : हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सामल

बिलासपुर : स्टेंट छोटे लेकिन महत्वपूर्ण उपकरण होते हैं जो धमनी को उस क्षेत्र में खुला रख सकते हैं जहाँ पर संकुचन है। इन्हें एंजियोप्लास्टी प्रक्रिया में डाला जाता है, या तो दिल के दौरे के इलाज के लिए आपातकालीन स्थिति के रूप में या योजनाबद्ध तरीके से उस धमनी को चौड़ा किया जा सकता है जो वसायुक्त पट्टिका के जमाव के कारण संकुचित हो रही है।

विश्व हृदय दिवस 2024 के अवसर पर अपोलो अस्पताल, बिलासपुर के वरिष्ठ कंसल्टेंट इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ महेंद्र प्रसाद सामल ने यह जानकारी दी।

वह बताते हैं यदि धमनी को केवल एक गुब्बारे से फैलाकर खोला जाए (स्टेंट के बिना एंजियोप्लास्टी), तो धमनी पीछे हट सकती है और बाद में पुन: संकीर्ण हो सकती है। पुन: संकीर्ण होने का जोखिम लगभग 30 प्रतिशत है, जबकि स्टेंट के प्रयोग से यह लगभग 10-15 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यदि वह स्टेंट × ड्रग-एल्यूटिंग स्टेंट है, तो जोखिम घटकर 2-3 प्रतिशत रह जाता है। स्टेंट के

लिए इस्तेमाल की जाने वाली आम सामग्री स्टेनलेस स्टील, प्लैटिनम क्रोमियम मिश्र धातु और कोबाल्ट-क्रोमियम मिश्र धातु हैं। ये सामग्री धमनी को संरचनात्मक सहायता प्रदान करती हैं। डॉक्टर कहते हैं वह बताते हैं ड्रग एल्यूटिंग स्टेंट पैक्लिटैक्सेल जैसी दवाओं से लेपित होते हैं - जो नई कोशिकाओं के विकास को रोकते हैं या धीमा करते हैं। जिससे उपचार प्रक्रिया नियंत्रित होती है और कोरोनरी धमनियों के पुन: संकुचित होने की संभावना कम हो जाती है वह बताते हैं इसके अतिरिक्त, कुछ स्टेंट में बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर कोटिंग होती है जो समय के साथ घुल जाती है, तथा दवा को धीरे-धीरे छोड़ती है। यह दीर्घकालिक एंटीप्लेटलेट थेरेपी की आवश्यकता को समाप्त करता है, जिससे स्टेंट थ्रोम्बोसिस का जोखिम कम हो जाता है, जो स्टेंट लगाने की एक दुर्लभ लेकिन गंभीर जटिलता है।

डॉक्टर कहते हैं कि धमनी को प्रभावी ढंग से खोलने और रक्त प्रवाह में सुधार करने के लिए स्टेंट का आकार सही होना चाहिए, लेकिन यह इतना छोटा भी होना चाहिए कि धमनी को नुकसान न पहुंचे। बड़े समीपस्थ वाहिकाओं और बायीं मुख्य धमनियों के लिए बेहतर दृश्यता और मजबूती के साथ विशेष रूप से निर्मित स्टेंट उपलब्ध हैं।

हालांकि स्टेंट कोरोनरी धमनी रोग के उपचार में एक मूल्यवान उपकरण है, लेकिन सभी स्टेंट एक जैसे नहीं होते हैं। सबसे अच्छा प्रकार का स्टेंट निर्धारित करने के लिए अपने डॉक्टर से विकल्पों पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने ग्रीन एनर्जी पहलों को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों और हाउसिंग सोसाइटी के लिए शून्य कॉस्ट ईएमआई पेश की

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीएसई: 511700), एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जिसने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए एक नई फंडिंग योजना शुरू की है। यह योजना कंपनियों को ग्रीन ऊर्जा समाधान अपनाने में मदद करेगी, जिससे ऊर्जा का उपयोग और भी टिकाऊ और किफायती हो सके। भारत की बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रयासों के अनुरूप, स्टैंडर्ड कैपिटल का फंडिंग उन परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करेगा जो सौर पैनल और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली स्थापित करते हैं। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, 2023 तक 68 गीगावॉट से अधिक सौर क्षमता स्थापित की जा चुकी है। यह प्रयास देश के 2030 तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के बड़े लक्ष्य का हिस्सा है। स्कूलों और हाउसिंग सोसाइटी में स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए शून्य लागत ईएमआई इस पहल का मुख्य आकर्षण शैक्षणिक संस्थानों और हाउसिंग सोसाइटी के लिए बनाया गया शून्य लागत ईएमआई वित्तपोषण योजना है, जो हरित ऊर्जा समाधान अपनाने को और अधिक सुगम और सस्ती बनाता है। शून्य लागत ईएमआई योजना एक अनूठी, ब्याज-मुक्त पुनर्भुगतान संरचना प्रदान करती है, जिससे संस्थानों पर वित्तीय बोझ कम होता है और टिकाऊ ऊर्जा के व्यापक उपयोग को सक्षम बनाया जाता है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 01 अक्टूबर 2024

मुख्यमंत्री साय आज रायपुर और सूरजपुर में आयोजित कार्यक्रमों में होंगे शामिल

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 1 अक्टूबर को रायपुर और जिला मुख्यालय सूरजपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री पूर्वाह्न 11 बजे रायपुर स्थित सर्किट हाउस के न्यू कन्वेंशन हॉल में जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के बाद 11:50 बजे रायपुर पुलिस ग्राउंड हेलीपेड से हेलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर दोपहर 01 बजे सूरजपुर पहुंचेंगे और वहां दोपहर 01.15 बजे से अग्रसेन स्टेडियम सूरजपुर में आयोजित राज्य स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 'सियान सम्मान कार्यक्रम' में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री शाम 4.25 बजे रायपुर लौट आएंगे।

सकल दिगम्बर जैन समाज को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक आगाज, सामूहिक क्षमावाणी पर्व का हुआ भव्य आयोजन

सभी दिगम्बर जैन मंदिरों द्वारा दी गई मनोहारी प्रस्तुतियां, सभी ने परस्पर में की क्षमा याचना, संगीतमय वृहद भक्तामर पाठ का हुआ आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के आशीर्वाद से सकल दिगंबर जैन समाज रायपुर द्वारा आयोजित क्षमावाणी पर्व रविवार को एस.एन.पैलेस, सेरीखेड़ी में उल्लास पूर्वक संपन्न हुआ आयोजन में रायपुर स्थित सभी दिगंबर जैन मंदिरो की महिला समितियों द्वारा एक से बढ़कर एक मनोहारी नयनाभिराम प्रस्तुतियां दी गईं।

ब्रह्मचारी सुनील भैया के मार्गदर्शन मे एवं स्थानीय रायपुर के सभी मंदिरों के अध्यक्ष एवं उनके सहयोगियों के साथ मनों की मलिनता दूर करने व परस्पर आपसी प्रेम बढ़ाने वाले सामूहिक क्षमावाणी पर्व के साथ बहुत ही ऐतिहासिक शुरुवात की, कार्यक्रम मे सर्वप्रथम आदि ब्रम्हा आदिनाथ भगवान की स्तुति श्री भक्तामर पाठ से हुई जिसमें सभी समाज जनो ने बड़ी ही उत्सुकता के साथ सहभागिता की, आचार्य श्री विद्यासागर महाराज एवं नवाचार्य श्री समय सागर जी महाराज के चित्र का अनावरण सुनील भैया जी, सकल दिगंबर जैन के अध्यक्ष नरेश जैन सहित यशवंत जैन, मनीष जैन, विनोद बडजात्या, राजेश जैन, प्रदीप जैन विश्व परिवार, अरविंद बडजात्या, राजेश जैन विद्यासागर सहित सभी अध्यक्षों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य आतिथ्य छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व केबिनेट मंत्री व रायपुर पश्चिम के विधायक श्री राजेश मूणत व अध्यक्षता श्री नंदन जैन जी प्रदेश कोषाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी ने की, अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया साथी ही समाज के अध्यक्षों द्वारा उनका माला व श्रीफल से स्वागत किया गया, आचार्य श्री जी के जन्मोत्सव कार्यक्रम की आमंत्रण पत्रिका का भी अथितियों ने अनावरण किया एवं शरदोत्सव के ब्रोशर का विमोचन व डॉक्यूमेंट्री फिल्म को भी रिलीज किया गया।

मुख्य अतिथि श्री राजेश मूणत जी ने अपने वक्तव्य मे कहा कि जैन समाज सक्षम समाज है अगर एक हो जाये तो बड़े से बड़ा कार्य छोटा हो जाता है हम हमेशा दीन दुखी व कमजोर को सहयोग करने वाली समाज के अंग है, उनकी प्रेरणा से उपस्थित समाजजन एवं स्वयं मूणत जी ने भी कल्याण कार्य हेतु सहयोग प्रदान किया, अध्यक्षता कर रहें नंदन जैन जी ने कहा कि मेरे शिक्षा ग्रहण के दिनों मे आचार्य श्री विद्यासागर जी के मुझे दर्शन हुए थे उनके ही आशीर्वाद से ही में आज चार्टर्ड अकाउंटेंट हूं मुझसे जनहित के कार्यों मे जो भी सहयोग बन पड़ेगा सहर्ष करूँगा।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के सूत्रधार ब्रहमचारी सुनील भैया जी ने अपने उद्बोधन मे कहा कि मुझे रायपुर आये लगभग 20 माह से ऊपर हो गए मै रायपुर को तलाशता रहा पर मुझे रायपुर मिला नहीं, सभी मंदिर पृथक पृथक मिले पर संगठन का अभाव मुझे कचोटता रहा फिर मैंने एक संगठित समाज की परिकल्पना लिए अपने भाव समाज जनों के मध्य रखा जिसे मूर्त रूप दिया गया जो आज के कार्यक्रम के रूप मे आप सबके सामने परिलाक्षित हो रहा है, आज के परिवेश मे हम सबको संगठित होने की नितांत आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि 17 अक्टूबर 2024 को शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के जन्म महोत्सव पर दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम मे आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शरदोत्सव में सभी को बढ़-चढ़कर सहभागिता निभानी है।

सभी समाज जन द्वारा विशेष रूप श्री हरि नारायण अग्रवाल संचालक एस.एन.पैलेस एवं श्री संदीप-किरण जैन बंडी परिवार को तथा शंकर नगर महिला मंडल को इस विशेष आयोजन के लिए करकल ध्वनि के साथ शुभकामनाएं दी गई।

सभी जिन मंदिरो की धर्ममय व शिक्षाप्रद सांस्कृतिक प्रस्तुति क्रम से प्रारम्भ हुई जिसमे सर्वप्रथम श्री 1008 वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर, डी डी नगर के महिला मंडल द्वारा करनी का फल नाट्य का मंचन किया गया। जिसमें मनुष्य के कर्म के अनुसार शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक स्थिति की प्राप्ति को खूबसूरती से मंच पर प्रदर्शित किया गया। जिसमें अपाहिज, नेत्रहीन, मानसिक विक्षिप्त, धनवान, रूपवान, पति-पत्नि, नारी पर्याय, मुनि, आर्यिका आदि पात्रों के माध्यम से कर्म फल का परिणाम प्रस्तुत किया गया।

फाफाडीह स्थित दिगंबर जैन मंदिर द्वारा विद्या गुरू के उपकार की भावभीनी नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें आचार्य श्री विद्यासागर महाराज द्वारा जनकल्याण, समाजहित और देशहित में किए गए कार्यों को दिखाया गया। हथकरघा, प्रतिभास्थली जैसे विद्यालय, औषधालय, गौशाला सहित किए गए गुरू उपकारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।

श्री दिगंबर जैन मंदिर लाभांडी द्वारा भक्तामर की महिमा का वर्णन करती हुई नाटिका लोगों को खूब भाई। जिसमें भक्तामर पाठ के स्वाध्याय और मनन से आचार्य मानतुंग के कारागरों के 48 तालों के टूटने जैसे चमत्कारों को बताया गया।वहीं नन्हें एकांश बाकलीवाल द्वारा मधुर वाणी में भजन की प्रस्तुति दी गई।

श्री दिगंबर जैन पंचायत ट्रस्ट मंदिर, मालवीय रोड द्वारा समाज में बेटियों के लिए बढ़ती असुरक्षा, जैन समाज के साधुजनों के साथ होने वाले दुष्कृत्यों आदि सामाजिक विषयों पर आधारित किसका है कसूर नाटिका की प्रस्तुति प्रभावशाली ढंग से दी गई। जिसमें हाल ही में कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में हुए हादसा को दर्शाया गया।

कचना अमलतास और शंकर नगर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर की सामूहिक प्रस्तुति तत्वों में जैनत्व का प्रस्तुतिकरण किया गया। जल, अग्नि, वायु, पृथ्वी व आकाश सहित पंच तत्वों में जैनत्व के दर्शन कराती हुई यह बेहद आकर्षक और खूबसूरत पेशकश थी। सुंदर परिधानों और मंचीय रोचक प्रस्तुति ने रूपहले पर्दे जैसा अहसास कराया जिसकी सभी ने खूब सराहना की।

अंत में श्री दिगंबर जैन मंदिर टैगोर नगर द्वारा मेरा अस्तित्व एक बेटी की पुकार की ममस्पर्शी पेशकश दी गई। बेटे की चाह में बेटियों की कोख में हत्या करके बालिकाओं के अस्तित्व को खत्म करने, बेटियों के साथ भेदभाव करने जैसे संवेदनशील विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

मंच का प्रभावी व व्यवस्थित संचालन ममता जैन, डॉ. मंजुला जैन, पल्लवी जैन व अहाना जैन द्वारा किया गया।

पर्यूषण पर्व के दौरान उपवास रखने वाले दिगंबर जैन समाज के तपस्वियों का सम्मान सभी अध्यक्षों द्वारा किया गया।

अंत मे सकल जैन समाज के अध्यक्ष नरेश सिंघई द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया एवं सभी ने एक दूसरे से क्षमा याचना करते हुए एक साथ वात्सल्य भोज ग्रहण किया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354